हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - CTHIN/25/A0716

मूक पत्रिका

निष्पक्ष, निर्भीक, स्वतंत्र आवाज...

वर्ष - 02 अंक - 311 बेमेतरा, मंगलवार 07 जुलाई 2026 रायपुर एवं बेमेतरा से प्रकाशित कुल पेज - 08 मूल्य - 1 रूपये डाक पंजीयन- दुर्ग/1743290201/2025-27

पहला कॉलम

इंडस्ट्रियल एरिया फेज-2 में निर्माणाधीन दो मंजिला इमारत ढही

चंडीगढ़। इंडस्ट्रियल एरिया फेज-2 में शाम एक निर्माणाधीन दो मंजिला इमारत अचानक भरभराकर गिर गई। हादसे के समय भवन के अंदर सात लोग मौजूद थे। इनमें पांच मजदूर और इमारत को लीज पर लेने वाले दो पार्टनर शामिल थे। हादसा प्लाट नंबर 28/9, इंडस्ट्रियल एरिया फेज-2 में शाम करीब 4:15 बजे हुआ। जानकारी के अनुसार तरुण कौशिक और तरुण जैन ने करीब 10 दिन पहले ही इस इमारत को लीज पर लिया था। यहां कबाड़ का कारोबार शुरू किया जाना था और इसी के तहत भवन में मरम्मत व निर्माण कार्य चल रहा था। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार मजदूर ग्राउंड फ्लोर की एक दीवार की मरम्मत कर रहे थे। इसी दौरान पुरानी और जर्जर दीवार अचानक ढह गई और कुछ ही सेकंड में पूरी दो मंजिला इमारत भरभराकर गिर पड़ी। मलबा गिरने से अंदर मौजूद सभी सात लोग दब गए और उन्हें बाहर निकलने का मौका तक नहीं मिला। मलबे में दबे एक मजदूर ने किसी तरह खुद को बाहर निकाला और तुरंत पुलिस कंट्रोल रूम को सूचना दी।

गुरुग्राम में यू-टर्न लेते समय ट्रक ने कार को मारी टक्कर

गुरुग्राम। सेक्टर 93 चौकी क्षेत्र में अल सुबह साढ़े तीन बजे ऐलान मॉल के पास पटौदी रोड पर यू टर्न ले रही हुंडई औरा कार को पीछे से आए ट्रक ने सीधी टक्कर मार दी। हादसे में कार कई बार पलटी खाई। इसमें सवार दो लोगों की मौत हो गई और तीन लोग घायल हो गए। एक युवक की हालत गंभीर है। जिसका इलाज अस्पताल में चल रहा है। घटना के बाद ट्रक चालक ट्रक समेत मौके से फरार हो गया। पुलिस के अनुसार, रोहतक के लाखन माजरा क्षेत्र के खरैटी गांव निवासी 24 वर्षीय राहुल गिल अपने ममेरे भाई सोनीपत के शेखपुरा निवासी 25 वर्षीय उमंग और तीन अन्य दोस्तों के साथ में शनिवार को काम की तलाश में गुरुग्राम आए थे। यहां वह लोग केंटीन खोलना चाहते थे।

चलती बस पर पहाड़ी से गिरा विशाल पत्थर, एक की मौत

चम्बा। हिमाचल प्रदेश के चम्बा जिले में रविवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसा देखने को मिला। यहां, भरमौर से चम्बा आ रही हिमाचल पथ परिवहन निगम की बस पर गैहरा के पास सुबह करीब 7 बजे पहाड़ी से अचानक एक विशाल पत्थर आ गिरा। पत्थर बस की छत तोड़ते हुए सीधे अंदर जा घुसा, जिससे बस में अफरा-तफरी मच गई। हादसे के समय बस में करीब 40 के करीब यात्री सवार थे प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, इस हादसे में एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि चार यात्री गंभीर रूप से घायल बताये जा रहे हैं। बताया जा रहा है कि बस में सवार अधिकांश लोग शिव पूजन समारोह से वापस लौट रहे थे। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग, पुलिस और प्रशासन की टीमें मौके पर पहुंचीं और तुरंत राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। घायलों को बस से बाहर निकालकर उपचार के लिए पंडित जवाहरलाल नेहरू राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय, चम्बा भेजा गया।

पुणे में भूस्खलन से घर दबे, मुंबई-पुणे रूट पर यातायात ठप

महाराष्ट्र में बारिश का कहर:13 लोगों की मौत,कई घायल...

महाराष्ट्र/ एजेंसी

महाराष्ट्र में मानसून का प्रकोप अपने चरम पर है। भारी बारिश के कारण राज्य के कई हिस्सों में बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। इस आपदा में अब तक 13 लोगों की मौत की खबर है, जबकि पुणे के पाटन गांव में भूस्खलन के कारण एक घर मलबे में दब गया, जिससे एक व्यक्ति की जान चली गई और दो अन्य लापता बताए जा रहे हैं। पुणे जिले के पाटन गांव में सोमवार तड़के भारी बारिश के चलते तीन बार भूस्खलन हुआ। इनमें से एक घटना में परिवार का एक घर मलबे में पूरी तरह समा गया। लोनावाला डिवीजन के डीएसपी गजानन तोम्पे ने बताया कि घटना के वक्त घर में तीन लोग मौजूद थे। फिलहाल एनडीआरएफ, स्थानीय पुलिस और बचाव दल मलबे में दबे लोगों की तलाश कर रहे हैं। इसके अलावा, घोरवाड़ी रेलवे स्टेशन के पास एक निजी बस के जलभराव में फंसने पर एनडीआरएफ की टीम ने 37 यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाला। भारी बारिश ने मुंबई और पुणे के बीच रेल संपर्क को पूरी तरह तोड़ दिया है। सेंट्रल रेलवे के जनसंपर्क अधिकारी स्वप्निल नीला ने बताया कि कर्जत-लोनावाला

के बीच भोर घाट सेक्शन में ठाकुरवाड़ी और मंकी हिल के पास भूस्खलन हुआ है। रेलवे की तीनों मुख्य लाइनें- मुंबई की ओर जाने वाली अप लाइन, पुणे की ओर जाने वाली डाउन लाइन और मिडिल लाइन प्रभावित हुई हैं। इस वजह से 16 ट्रेनें रद्द और 9 ट्रेनों का मार्ग बदला गया है। रद्द होने वाली प्रमुख ट्रेनों में इंद्रायणी एक्सप्रेस, इंटरसिटी, डेक्कन एक्सप्रेस, डेक्कन क्वीन, प्रगति एक्सप्रेस, धुले एक्सप्रेस और पुणे-सीएसएमटी सिंहगढ़ एक्सप्रेस शामिल हैं। रेलवे ने यात्रियों से यात्रा से पहले ट्रेनों की स्थिति जांचने की अपील की है। भारी बारिश और भूस्खलन के चलते मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे और पुराने मुंबई-पुणे हाईवे को अनिश्चितकाल के लिए बंद कर दिया गया है। टनल-2 के पास भूस्खलन होने के बाद पुणे जाने वाले मार्ग को डाइवर्ट किया गया है। मावल और ताम्हिनी घाट के कुछ हिस्सों में बाढ़ जैसी स्थिति है। एक्सप्रेसवे के 'कनेक्टिंग लिंक' और 'मिसिंग लिंक' सेक्शन के बीच एक कंक्रीट का खंभा सड़क पर गिर गया है, जिससे यातायात पूरी तरह ठप है। ट्रैफिक पुलिस ने नागरिकों को सलाह दी है कि जब तक हालात सामान्य न हों, पुणे और मुंबई के बीच यात्रा न करें। महाराष्ट्र राज्य सड़क विकास निगम स्थिति की निगरानी कर रहा है।

पानी के तेज बहाव में बहा युवक, एनीकट में मछली पकड़ने के दौरान हुआ हादसा, खोजबीन जारी

महासमुंद। जिले के तुमगांव थाना क्षेत्र अंतर्गत गोपालपुरा एनीकट में सोमवार दोपहर मछली पकड़ने के दौरान एक युवक तेज पानी के बहाव में बह गया। घटना के बाद मौके पर अफ़रा-तफ़री मच गई। जानकारी के मुताबिक, गोपालपुर निवासी रामेश्वर निषाद (21 वर्ष) पिता दसरू निषाद सोमवार दोपहर करीब 2 बजे गोपालपुर एनीकट में मछली पकड़ रहा था। इसी दौरान वह पानी के तेज बहाव की चपेट में आकर बह गया। पास खड़े तिरथ निषाद ने लकड़ी के सहारे उसे बचाने का प्रयास किया, लेकिन तेज धारा के कारण वे सफल नहीं हो सके। घटना की सूचना मिलने पर तुमगांव पुलिस और नगर सेना की रेस्क्यू टीम मौके पर पहुंची। हालांकि नदी में पानी का बहाव और दबाव अत्यधिक होने के कारण सुरक्षा कारणों से रेस्क्यू दल तत्काल पानी में नहीं उतर सका।

एनआईए की बड़ी कार्रवाई

सप्लीमेंट्री चार्जशीट में आतंकी हाफिज सईद नाम भी शामिल.....

नई दिल्ली/ एजेंसी

नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी ने पहलगाम में हुए भीषण आतंकी हमले के मामले में पाकिस्तान स्थित आतंकवादी और लश्कर-ए-तैयबा व टीआरएफ के संस्थापक हाफिज सईद के खिलाफसप्लीमेंट्री चार्जशीट दाखिल की है। सोमवार को जम्मू स्थित एनआईए की स्पेशल कोर्ट में यह चार्जशीट पेश की गई। एजेंसी ने हाफिज सईद को व्यक्तिगत तौर पर और प्रतिबंधित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा व उसके प्रॉक्सी संगठन 'द रेजिस्टेंस फ्रंट' के प्रमुख के रूप में आरोपी बनाया है। उस पर भारतीय न्याय संहिता 2023 और गैर-कानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम 1967 की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। एनआईए ने उस पर भारत के खिलाफ युद्ध छेड़ने और सीमा पार से साजिश रचने का भी आरोप लगाया है।दक्षिण-एशियाई और प्रवासी यह सप्लीमेंट्री चार्जशीट मूल 1,597 पन्नों की चार्जशीट का विस्तार है। इसमें पाकिस्तान की साजिश, हाफिज सईद की भूमिका और एनआईए द्वारा वैज्ञानिक जांच व ऑन-ग्राउंड छानबीन से जुटाए गए पुख्ता सबूतों का विवरण दिया गया है। इससे पहले 15 दिसंबर 2025 को दाखिल की गई चार्जशीट में एनआईए ने पाकिस्तानी हैंडलर आतंकी साजिद जट्ट के अलावा जुलाई 2025 में 'ऑपरेशन महादेव' के दौरान मारे गए तीन आतंकियों और दो गिरफ्तार आरोपियों को नामजद किया था। साथ ही, लश्कर/टीआरएफ को एक कानूनी इकाई के तौर पर हमले की योजना बनाने और उसे अंजाम देने के लिए आरोपी बनाया गया था। 22 अप्रैल 2025 को पहलगाम में धर्म के आधार पर लक्षित हत्याओं का जघन्य आतंकी हमला हुआ था। पाकिस्तान समर्थित इन आतंकियों ने 25 निर्दोष पर्यटकों और एक स्थानीय नागरिक की हत्या कर दी थी।

शीश महल बनेगा कल्चरल सेंटर

वीवीआईपी मेहमानों के लिए होगी विशेष व्यवस्था-रेखा गुप्ता

नई दिल्ली। दिल्ली की भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के सिविल लाइंस स्थित 6-फ्लैगस्टाफ रोड पर स्थित आवास पर बड़ा निर्णय लिया है। रेखा गुप्ता सरकार ने केजरीवाल के इस आधिकारिक आवास को वीवीआईपी गेस्ट हाउस और आधुनिक कल्चरल सेंटर के रूप में विकसित करने का फैसला किया है। बता दें, आप संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का यह आवास चुनाव के दौरान से ही काफी चर्चा में रहा। दिल्ली सरकार के फैसले के बाद अब यह नए स्वरूप में नजर आएगा। अब सांस्कृतिक गतिविधियों और सरकारी कार्यक्रमों के लिए यह बंगला उपयोग में लाया जाएगा। अरविंद केजरीवाल का यह आधिकारिक आवास विधानसभा चुनाव के दौरान काफी चर्चा में रहा। भाजपा ने बंगले के पुनर्निर्माण के मुद्दे को प्रमुख चुनावी मुद्दा बनाया था और इसे शीशमहल नाम दिया था। चुनाव के दौरान भाजपा द्वारा कई जगहों पर चुनावी रथ पर बंगले का मॉडल भी प्रदर्शित किया गया था। बता दें, अभी तक दिल्ली सरकार के पास अपना खुद का न तो कल्चरल सेंटर है और न है कोई

यह है सरकार की योजना....

जानकारी के अनुसार, इस योजना में बंगले में अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त वीवीआईपी रूम विकसित किया जाएगा। मीटिंग हॉल, सम्मेलन कक्ष और सांस्कृतिक गतिविधियों के लिए एक बहुउद्देशीय सभागार विकसित किया जाएगा। इसमें विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियां जैसे- साहित्यिक आयोजन, सांस्कृतिक संवाद, कला प्रदर्शनियां, संगीत एवं नृत्य प्रस्तुतियां के साथ-साथ विभिन्न सरकारी समारोह और विभागों के कार्यक्रम का आयोजित किया जाएगा।

गेस्ट हाउस है। बीते दिनों दिल्ली सरकार की बैठक में यह फैलसा लिया गया था कि अब से सांस्कृतिक गतिविधियों, सरकारी बैठकों, सभी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधिमंडलों के स्वागत और ठहरने के लिए इस परिसर का उपयोग किया जाएगा।

पति की हत्या के बाद बाथरूम में खुद खोदी कब्र

आगरा। शराबी पति के रोज-रोज के जुल्मों से तंग आकर एक पत्नी ने खौफनाक कदम उठा लिया। उसने अकेले ही अपने पति की हत्या कर दी और लाश को घर के ही बाथरूम में दफना दिया। राज छिपाने के लिए उसने लाश के ऊपर मिट्टी और गिट्टी डाली और फिर मिस्त्री बुलाकर वहां पक्का फर्श बनवा दिया। पुलिस ने आरोपी पत्नी को गिरफ्तार कर शनिवार को जेल भेज दिया है, जबकि पूछताछ के बाद मिस्त्री और मजदूर को छोड़ दिया गया। हिरासत में रहने के दौरान महिला रातभर रोती रही और उसे अपने किए पर पछतावा हो रहा था।

पीएम मोदी आज से 3 देशों के दौरे पर

पीएम मोदी ने कहा-कूटनीतिक साझेदारियों के साथ रणनीतिक सहयोग को बढ़ाना मकसद.....

नई दिल्ली। पीएम मोदी आज से तीन देशों के 6 दिवसीय दौरे पर रवाना हो रहे हैं. भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इंडोनेशिया, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के दौरे के लिए नई दिल्ली से रवाना हो गए हैं. भारत का मकसद इन तीनों देशों के साथ अपने रिश्ते और मजबूत करने के साथ साथ इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में रणनीतिक मौजूदगी को और मजबूत करना भी है. इस दौरे की शुरुआत इंडोनेशिया से होगी. यह यात्रा भारत की हिंद प्रशांत क्षेत्र को लेकर जारी कूटनीति, समुद्री सुरक्षा, आर्थिक सहयोग और क्षेत्रीय स्थिरता को मजबूत करने की दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण साबित हो सकती है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 6 से 11 जुलाई 2026 तक इंडोनेशिया, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड की छह दिवसीय यात्रा पर निकल गए है. इंडोनेशिया के वर्तमान राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो के निमंत्रण पर प्रधानमंत्री मोदी 6 से 8 जुलाई तक इंडोनेशिया की राजधानी जकार्ता में रहेंगे. जनवरी 2025 में राष्ट्रपति प्रबोवो भारत के गणतंत्र दिवस समारोह में मुख्य अतिथि भी रहे थे.

प्रधानमंत्री मोदी जकार्ता में मुख्य कार्यक्रमों में भाग लेंगे और सांस्कृतिक-ऐतिहासिक शहर योग्याकर्ता भी जाएंगे. इंडोनेशिया मलक्का जलडमरूमध्य की सुरक्षा और स्थिरता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है. प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति प्रबोवो रक्षा सहयोग, समुद्री सुरक्षा, व्यापार, निवेश और क्षेत्रीय मुद्दों पर चर्चा करेंगे. इंडोनेशिया दौरे के बाद पीएम का दूसरा पड़ाव 8 से 10 जुलाई ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न है. ऑस्ट्रेलिया के साथ हाल ही में एफ्टीए लागू किया गया है. ऑस्ट्रेलिया में दोनों नेताओं का विषय वार्ता में रक्षा एवं सुरक्षा सहयोग, व्यापार और निवेश, शिक्षा, स्किल एवं मोबिलिटी, क्रिटिकल और इमर्जिंग टेक्नोलॉजी, खेल और स्पोर्ट्स साइंस जैसे क्षेत्रों पर विशेष जोर रहेगा.

भारतीय नौसेना का सेल ट्रेनिंग शिप आईएनएस सुदर्शनी, यूनाइटेड स्टेट्स इंटरनेशनल नेवल रिव्यू 250 और सेलचौथा 250 में भारत का प्रतिनिधित्व करने और न्यूयॉर्क में हडसन नदी पर परेड ऑफ़ सेल में हिस्सा लेने के बाद न्यूयॉर्क और न्यू जर्सी के पोर्ट पर पहुँचा।

योगी कैबिनेट का अहम फैसला

अब भगवान परशुराम पुरी कहलाएगा जलालाबाद.....

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को कैबिनेट की बैठक ली. जिसमें कुल 28 प्रस्ताव पेश किए गए. इनमें से 27 प्रस्तावों को मंत्रिमंडल की मंजूरी मिल गई. वहीं एक मदरसे से संबंधित (15वां) प्रस्ताव को स्थगित कर दिय गया है. कैबिनेट ने होमगार्ड स्वयंसेवकों को पांच लाख रुपये तक का कैशलेस इलाज कराने, अन्य विभागों में अंतरराष्ट्रीय पदक विजेता खिलाड़ियों की सीधी भर्ती, कानपुर, फ्तेहपुर और

गाजियाबाद में विश्वविद्यालय के स्थापना, शाहजहांपुर के जलालाबाद का नाम बदलकर 'परशुरामपुरी' रखने समेत कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव पारित किए हैं.

राम मंदिर ट्रस्ट का बड़ा फैसला : चंपत राय और अनिल मिश्रा के इस्तीफे मंजूर

कृष्ण मोहन को अंतरिम महासचिव की जिम्मेदारी सौंपी गई.....

नई दिल्ली/ एजेंसी

अयोध्या के श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में चढ़ावे की कथित चोरी के खुलासे के बाद मचे देशव्यापी बवाल के बीच सोमवार को हुई ट्रस्ट की आपात बैठक कई मायनों में ऐतिहासिक साबित हुई। करीब चार घंटे तक चली इस हाई-प्रोफाइल बैठक में न केवल मंदिर प्रशासन से जुड़े संवेदनशील मुद्दों पर मंथन हुआ, बल्कि ट्रस्ट के शीर्ष नेतृत्व में भी बड़ा बदलाव देखने को मिला। करोड़ों राम भक्तों की आस्था से जुड़े इस मामले पर पूरे देश की नजरें टिकी हुई थीं। राम मंदिर परिसर में कड़ी सुरक्षा और गोपनीयता के बीच हुई बैठक की अध्यक्षता महंत नृत्य गोपाल दास ने की। बैठक के बाद ट्रस्ट ने पूर्व महासचिव चंपत राय और ट्रस्टी अनिल मिश्रा के इस्तीफे स्वीकार करने की पुष्टि की। साथ ही कृष्ण मोहन को अंतरिम महासचिव की जिम्मेदारी सौंपी गई है। ट्रस्ट ने साफ किया कि चढ़ावा चोरी मामले की जांच पूरी होने तक प्रशासनिक जवाबदेही और पारदर्शिता को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी। बैठक के बाद आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष स्वामी गोविंद देव गिरि ने चोरी की घटना को अत्यंत दुखद और लज्जाजनक बताते हुए दोषियों को कड़ी सजा दिलाने की मांग की। उन्होंने मंदिर की बहुमूल्य वस्तुओं के गायब होने संबंधी दावों को अफवाह करार दिया

और कहा कि सभी 2800 पंजीकृत वस्तुएं सुरक्षित हैं। ट्रस्ट ने श्रद्धालुओं से अफवाहों से बचने और न्यायिक प्रक्रिया पर भरोसा बनाए रखने की अपील भी की। प्रेस कॉन्फ्रेंस में ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष गोविंद देवगिरी ने बताया की जिनको शक हो वह राम मंदिर जाकर चढ़ावा के बारे में जानकारी ले सकता है। उन्होंने लोगों से आग्रह किया कि ट्रस्ट को लेकर बेवजह अफवाहों पर ध्यान न दिया जाए, प्रेस कॉन्फ्रेंस में गोविंद देवगिरी ने कहा कि जिन लोगों ने राम भक्तों पर गोली चलवाई वह लोग ज्ञान दे रहे हैं। राम मंदिर ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष गोविंद देव गिरि ने चढ़ावा चोरी की घटना पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए इसे पूरे समाज के लिए अत्यंत लज्जाजनक स्थिति बताया है। उन्होंने कहा कि जिस मंदिर के लिए लोगों ने अपने प्राणों और परिवारों की परवाह नहीं की, वहां ऐसी असाधारण घटना होना दुखद है। इसी आपात स्थिति को देखते हुए जो बैठक पहले 11 जुलाई को होनी थी, उसे प्रीपोन करके 6 जुलाई को ही आयोजित किया गया, जिसमें कोरम पूरा रहा और अध्यक्ष नृत्य गोपाल दास समेत निर्मोही अखाड़े के संत दिनेंद्र जी महाराज भी उपस्थित रहे।

बेमेतरा में स्काउट–गाइड जिला स्तरीय बैठक संपन्न, वार्षिक कार्ययोजना पर हुआ मंथन

बेमेतरा/मूक पत्रिका

बीते दिनों जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय, बेमेतरा में भारत स्काउट्स एवं गाइड्स की जिला स्तरीय बैठक आयोजित की गई। बैठक का शुभारंभ स्काउट-गाइड प्रार्थना के साथ हुआ। बैठक में नव नियुक्त जिला मुख्य आयुक्त राजेश सिंह पटेल, जिला शिक्षा अधिकारी एवं पदेन जिला आयुक्त (स्काउट) अभय जायसवाल तथा सहायक संचालक एस.पी. कोशले विशेष रूप से उपस्थित रहे। राज्य संगठन आयुक्त (एसओसी.) एवं जिला सचिव अमित कुमार क्षत्रिय सहित जिले के समस्त स्काउटर एवं गाइडर ने बैठक में सहभागिता की। बैठक में स्काउट-गाइड गतिविधियों के प्रभावी संचालन, संगठन के विस्तार तथा आगामी सत्र 2026-27 की वार्षिक कार्ययोजना को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। अंशदान पंजीयन, शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों में स्काउट-गाइड एवं रोवर-रेंजर इकाइयों के पंजीयन के साथ-साथ स्काउटर एवं गाइडर के पंजीयन की प्रगति की समीक्षा की गई तथा सभी आवश्यक कार्य समयबद्ध रूप से पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। जिला संगठन आयुक्त फनेन्द्र कुमार लोधी ने सत्र 2026-27 की वार्षिक कार्ययोजना का विस्तृत प्रस्तुतीकरण करते हुए दल संचालन को अधिक प्रभावी एवं सक्रिय बनाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में बेसिक कैंप, एडवांस कैंप, द्वितीय सोपान कैंप, डिजास्टर मैनेजमेंट कैंप तथा जिला स्तरीय रैली के आयोजन की संभावित तिथियों एवं रूपरेखा पर भी विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। बैठक के दौरान सभी इकाइयों को ह्ड्ढस्र्स पोर्टल पर आवश्यक जानकारी एवं आंकड़ों का नियमित अद्यतन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। साथ ही स्काउटर-गाइडर हाईक के आयोजन, जिला संघ के विभिन्न रिक्त पदों पर योग्य नामों के प्रस्ताव तथा संगठनात्मक गतिविधियों को और अधिक सशक्त बनाने पर भी चर्चा की गई। बैठक में उपस्थित स्काउटर एवं गाइडर ने अपने सुझाव एवं समस्याएं रखीं, जिन पर विस्तार से चर्चा करते हुए उनके त्वरित समाधान का प्रयास किया गया। जिले के चारों विकासखंडों से आए सक्रिय स्काउटर-गाइडर ने संगठन को मजबूत बनाने के लिए अपने अनुभव एवं सुझाव साझा किए। बैठक का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ। सभी उपस्थित सदस्यों ने स्काउटिंग एवं गाइडिंग गतिविधियों के विस्तार, अनुशासन, सेवा एवं नेतृत्व की भावना को जन-जन तक पहुंचाने के लिए एकजुट होकर कार्य करने का संकल्प लिया।

कलेक्टर ने जनदर्शन में सुनी आमजन की समस्याएं, 37 आवेदनों के त्वरित निराकरण के दिए निर्देश

बेमेतरा/मूक पत्रिका

आम नागरिकों की समस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी निराकरण तथा शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक समय पर पहुंचाने के उद्देश्य से आज सोमवार को जिला कलेक्टोरेट परिसर में साप्ताहिक जनदर्शन का आयोजन किया गया। कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई ने जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे नागरिकों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं एवं मांगें गंभीरतापूर्वक सुनीं। जनदर्शन के दौरान प्राप्त प्रत्येक आवेदन पर कलेक्टर ने संवेदनशीलता के साथ संज्ञान लिया। उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यकतानुसार दूरभाष पर चर्चा कर एवं उपस्थित अधिकारियों को मौके पर ही निर्देशित करते हुए प्रकरणों के शीघ्र एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कई मामलों में तत्काल आवश्यक कार्रवाई करते हुए आवेदकों को राहत प्रदान की गई। आज आयोजित जनदर्शन में विभिन्न विभागों से संबंधित कुल 37 आवेदन प्राप्त हुए। इनमें तात्कालिक महत्व के प्रकरणों का प्राथमिकता के आधार पर निराकरण किया गया, जबकि जांच एवं प्रक्रिया से जुड़े मामलों को समय-सीमा (टीएल) में दर्ज कर संबंधित अधिकारियों को निर्धारित समयावधि में निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। जनदर्शन में निराश्रित एवं वृद्धावस्था पेंशन, दिव्यांग पेंशन, प्रधानमंत्री आवास योजना, बैटरी चालित ट्रायसाइकिल, भूमि संबंधी प्रकरण, कटा हुआ रकबा जोड़ने, खाद गड्ढा हटाने, आम रास्ता खुलवाने सहित विभिन्न जनहित से जुड़े विषयों पर आवेदन प्राप्त हुए। कलेक्टर ने सभी आवेदकों को आश्वस्त किया कि प्रत्येक प्रकरण का नियमानुसार परीक्षण कर यथाशीघ्र निराकरण सुनिश्चित किया जाएगा।

चोखनपाल-मरीवाड़ा सड़क पर जल निकासी नहीं होने से बढ़ी किसानों की चिंता, समाधान की मांग

बीजापुर/मूक पत्रिका

आशीष पदमवार। ग्राम पंचायत गोगला के आश्रित गांव चोखनपाल के ग्रामीणों ने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई) के तहत बनी चोखनपाल-मरीवाड़ा सड़क पर जल निकासी की समुचित व्यवस्था नहीं होने से खेतों में जलभराव की समस्या को लेकर प्रशासन का ध्यान आकर्षित किया है। सोमवार को ग्रामीण कलेक्टर कार्यालय पहुंचे और एसडीएम को ज्ञापन सौंपकर समस्या के शीघ्र निराकरण की मांग की। ग्रामीणों का कहना है कि सड़क निर्माण के दौरान कई स्थानों पर पानी निकासी के लिए पुल-पुलिया या पाइप नहीं लगाए गए। बारिश शुरू होते ही पानी खेतों में भरने लगा है, जिससे फसलों को नुकसान होने की आशंका बढ़ गई है। ज्ञापन में सड़क के करीब आठ स्थानों पर पाइप डालने की मांग की गई है, ताकि वर्षा जल की निकासी सुचारु रूप से हो सके। ग्रामीणों के साथ भाजपा सोशल मीडिया जिला संयोजक के.जी. सुधाकर भी मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि किसानों और ग्रामीणों की समस्याओं को लेकर प्रशासन से जल्द कार्रवाई की अपेक्षा है। ज्ञापन में बारिश के मौसम को देखते हुए प्राथमिकता के आधार पर जल निकासी की व्यवस्था कराने के साथ गांव की अन्य लंबित समस्याओं के निराकरण की भी मांग की गई है। इससे पहले ग्रामीणों ने पूर्व मंत्री महेश गागड़ा के नाम भी आवेदन सौंपकर समस्या से अवगत कराया। दूरभाष पर हुई चर्चा में उन्होंने ग्रामीणों की समस्याओं के समाधान के लिए हरसंभव प्रयास करने का आश्वासन दिया। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते जल निकासी की व्यवस्था नहीं की गई तो बारिश के दौरान खेतों में लगातार पानी भरने से खेती प्रभावित होगी और किसानों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है।

स्कूल जतन योजना में भ्रष्टाचार के आरोप, जेसीसीजे ने जांच की मांग को लेकर राज्यपाल के नाम सौपा ज्ञापन

बीजापुर/मूक पत्रिका

आशीष पदमवार। स्कूल जतन योजना के तहत जिले में हुए कार्यों में कथित भ्रष्टाचार और अनियमितताओं की जांच की मांग को लेकर सोमवार को जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ (जे) ने कलेक्टर के माध्यम से राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन में तत्कालीन जिला शिक्षा अधिकारी लखनलाल धनेलिया सहित अन्य जिम्मेदार लोगों की भूमिका की जांच कर कार्रवाई की मांग की गई है। जिला अध्यक्ष विजय झाड़ी के नेतृत्व में सौंपे गए ज्ञापन में आरोप लगाया गया है कि आदिवासी बहुल बीजापुर जिले में स्कूल भवनों के मरम्मत और रखरखाव के लिए शासन ने स्कूल जतन योजना के तहत करोड़ों रुपए की राशि स्वीकृत की थी, लेकिन योजना के क्रियान्वयन में बड़े पैमाने पर अनियमितताएं हुईं। ज्ञापन में दावा किया गया है कि जिले के कई गांवों में स्कूल भवन नहीं हैं या स्कूल संचालित नहीं हो रहे हैं, इसके बावजूद अभिलेखों में स्कूल संचालित दर्शाकर योजना की राशि आहरित कर ली गई। जेसीसीजे ने आरोप लगाया है कि कई मामलों में बिना कार्य कराए ही भुगतान किया गया। पार्टी ने पूरे मामले की उच्चस्तरीय और निष्पक्ष जांच कराने के साथ दोषी अधिकारियों एवं संबंधित लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। ज्ञापन सौंपने के दौरान रमेश हमला, राजू तेलम, संगीता मांडवी, सुकराम पोयम सहित पार्टी के अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

ज्ञापन में उठाए गए प्रमुख मुद्दे

स्कूल जतन योजना में करोड़ों रुपए की अनियमितता का आरोप।

तत्कालीन जिला शिक्षा अधिकारी लखनलाल धनेलिया की भूमिका की जांच की मांग।

कई गांवों में स्कूल नहीं होने के बावजूद राशि आहरित करने का दावा।

बिना कार्य कराए भुगतान किए जाने का आरोप।

राज्यपाल से उच्चस्तरीय जांच और दोषियों पर कार्रवाई की मांग।

केज व्हील लगे ट्रैक्टरों का सड़क पर संचालन प्रतिबंधित, उल्लंघन करने पर होगी चालानी कार्रवाई

बेमेतरा/मूक पत्रिका

जिले के समस्त कृषकों एवं ट्रैक्टर संचालकों को सूचित किया जाता है कि खेतों में मिट्टी पलटने एवं जुताई कार्य के लिए उपयोग किए जाने वाले लोहे के केज व्हील (पिंजरा पहिया) लगे ट्रैक्टरों का सार्वजनिक सड़कों एवं सीमेंट रोड पर संचालन प्रतिबंधित है। यदि ऐसे ट्रैक्टर सड़क पर चलते हुए पाए जाते हैं तो उनके विरुद्ध नियमानुसार चालानी कार्रवाई की जाएगी। छत्तीसगढ़ शासन, परिवहन विभाग द्वारा इस संबंध में सभी जिला परिवहन अधिकारियों को आवश्यक निर्देश जारी किए गए हैं। निर्देशानुसार ऐसे ट्रैक्टरों को सार्वजनिक सड़कों पर संचालित होने से रोकने तथा नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन संचालकों के विरुद्ध मोटरयान अधिनियम एवं प्रचलित नियमों के तहत कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। उल्लेखनीय है कि माननीय उच्च न्यायालय, बिलासपुर में दायर एक जनहित याचिका के परिप्रेक्ष्य में यह निर्णय लिया गया है। याचिका में उल्लेख किया गया था कि कृषि कार्यों के लिए निर्मित ट्रैक्टरों में लगाए जाने वाले केज व्हील (लोहेनुमा पिंजरा पहिए) का उपयोग खेतों तक सीमित होना चाहिए, किंतु कई स्थानों पर इन्हें सार्वजनिक सड़कों एवं राजमार्गों पर भी चलाया जा रहा है। इससे सड़क की सतह को गंभीर क्षति पहुंचती है तथा सड़क दुर्घटनाओं की संभावना भी बढ़ जाती है। ऐसे ट्रैक्टरों का सड़क पर संचालन मोटरयान अधिनियम एवं संबंधित नियमों के विपरीत है। जिला परिवहन अधिकारी, बेमेतरा ने जिले के समस्त कृषक भाइयों एवं ट्रैक्टर संचालकों से अपील की है कि खेतों में मिट्टी पलटने एवं जुताई कार्य पूर्ण होने के पश्चात ट्रैक्टर से केज व्हील (पिंजरा पहिया) निकालकर सामान्य टायर लगाकर ही सार्वजनिक सड़कों पर ट्रैक्टर का संचालन करें। इससे सार्वजनिक संपत्ति अर्थात सड़कों की सुरक्षा सुनिश्चित होगी तथा सड़क दुर्घटनाओं की आशंका भी कम होगी।

डुमरीपालनार में सीआरपीएफका निःशुल्क चिकित्सा शिविर, ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण कर बांटी दवाइयां

बीजापुर/मूक पत्रिका

आशीष पदमवार। नक्सल प्रभावित डुमरीपालनार क्षेत्र में तैनात 85वीं बटालियन सीआरपीएफ ने सोमवार को ग्रामीणों के लिए निःशुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित किया। शिविर में डुमरीपालनार सहित पटेलपारा, सरपंचपारा, परगेमपारा और थिलमपारा के ग्रामीणों ने पहुंचकर स्वास्थ्य परीक्षण कराया तथा आवश्यक दवाइयां प्राप्त कीं। शिविर में बटालियन के वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉ. मनोज कुमार ने मरीजों की जांच कर उन्हें आवश्यक दवाइयां उपलब्ध कराईं। साथ ही ग्रामीणों को बारिश के मौसम में फैलने वाली बीमारियों, दूषित पानी से होने वाले संक्रमण और बचाव के उपायों की जानकारी भी दी। स्वास्थ्य संबंधी सावधानियां अपनाने की अपील करते हुए स्वच्छता और सुरक्षित पेयजल के महत्व पर भी जोर दिया गया। 85वीं बटालियन के कमांडेंट सुनील कुमार राही ने बताया कि इस तरह के शिविरों का उद्देश्य दूरस्थ क्षेत्रों के ग्रामीणों तक स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने के साथ उन्हें विभिन्न बीमारियों के प्रति जागरूक करना है। उन्होंने कहा कि बटालियन बीजापुर में तैनाती के बाद से लगातार अंदरूनी इलाकों में चिकित्सा शिविर और जनहित के कार्यक्रम आयोजित कर रही है, जिससे ग्रामीणों और सुरक्षा बलों के बीच आपसी विश्वास मजबूत हो रहा है। चिकित्सा शिविर के दौरान सहायक कमांडेंट शिवांशु शर्मा, वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉ. मनोज कुमार सहित कंपनी के अधिकारी और जवान मौजूद रहे। ग्रामीणों ने शिविर के आयोजन पर संतोष व्यक्त करते हुए इसे दूरस्थ क्षेत्र के लिए उपयोगी पहल बताया।

स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालय लाहोद मेधावी छात्र छात्राओं का सम्मान समारोह आयोजन

बलौदाबाजार/मूक पत्रिका

ताराचंद कठोत्रे बलौदाबाजार। । स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालय लाहोद मे प्रेस प्रतिनिधि विजय सेन ने आठवीं पांचवी परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया. इस दौरान उन्होंने विद्यार्थियों को स्मृति चिन्ह प्रदान कर उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं और उन्हें जीवन में बड़े लक्ष्य निर्धारित कर निरंतर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया. कार्यक्रम के दौरान पूर्व प्राचार्य डी आर साहू ने विद्यार्थियों से आत्मीय संवाद करते हुए उनके करियर, भविष्य की योजनाओं और रुचियों के बारे में जानकारी ली छात्रों ने कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक, डॉक्टर टीचर और अन्य प्रतिष्ठित क्षेत्रों में अपनी पहचान बनाने की इच्छा व्यक्त की. डी आर साहू ने उनके आत्मविश्वास की सराहना करते हुए कहा कि समर्पण, अनुशासन, निरंतर अध्ययन और कठिन परिश्रम सफलता की सबसे मजबूत नींव हैं. सरपंच किशोर ने कहा कि जो विद्यार्थी स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित कर पूरी निष्ठा और लगन से प्रयास करते हैं, सफलता निश्चित रूप से उनके कदम चूमती है. उन्होंने विद्यार्थियों से शिक्षा के साथ नैतिक मूल्यों, सामाजिक जिम्मेदारी और राष्ट्रसेवा की भावना को भी जीवन में अपनाने का आह्वान किया. किशोर साहू ने कहा कि सम्मानित हुए विद्यार्थी अपने स्कूल परिवार ही नहीं, बल्कि पूरे जिले और प्रदेश के लिए गौरव का विषय हैं. उनकी उपलब्धियां अन्य विद्यार्थियों को भी उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रेरित करेंगी. इस अवसर पर संस्था के प्राचार्य के पी साहू सरपंच किशोर साहू डी आर साहू शाला विकाश समिति के अध्यक्ष दुलार पटेल उपसरपंच भरतभूषण साहू व्याख्याता रुद्रकुमार चंद्रवंशी अमित भारती सुमन पटेल बसंत साहू सरिता कोसले। ज्योति पटेल और बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे.

कलेक्टर के निर्देश पर राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग की व्यापक तैयारियां पूरी, नागरिकों से सतर्क रहने की अपील

भारी बारिश को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह सतर्क, सभी विभाग अलर्ट मोड में

बेमेतरा/मूक पत्रिका

जिले में लगातार हो रही वर्षा एवं मौसम विभाग द्वारा भारी बारिश की संभावना को देखते हुए कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई के निर्देश पर जिला प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड में कार्य कर रहा है। संभावित आपदा की किसी भी स्थिति से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग सहित सभी संबंधित विभागों को पूरी तरह सक्रिय कर दिया गया है। जिले के सभी अनुविभागों, विकासखंडों, नगरीय निकायों तथा ग्रामीण क्षेत्रों में अधिकारियों एवं मैदानी अमले को सतर्क रहने तथा लगातार निगरानी रखने के निर्देश दिए गए हैं। कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि आम नागरिकों की सुरक्षा जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसी उद्देश्य से सभी विकासखंडों में आवश्यक संसाधनों, राहत एवं बचाव दलों तथा आपातकालीन व्यवस्थाओं को तैयार रखा गया है। किसी भी आकस्मिक परिस्थिति में त्वरित सहायता उपलब्ध कराने के लिए प्रशासनिक अमला पूरी मुस्तैदी के साथ कार्य कर रहा है। जिले के सभी अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), तहसीलदार, नायब तहसीलदार, जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, नगरीय निकायों के अधिकारी तथा अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी अपने-अपने क्षेत्रों में लगातार भ्रमण कर स्थिति का जायजा ले रहे हैं। जलभराव वाले क्षेत्रों, पुल-पुलियों, नालों, नदी-नालों तथा संवेदनशील स्थानों पर विशेष निगरानी रखी जा रही है ताकि किसी भी प्रकार की अप्रिय स्थिति उत्पन्न होने पर तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके। इसी क्रम में साजा अनुविभाग के अधिकारियों द्वारा ग्राम रोद्रा स्थित डोटूनाला का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान वहां की स्थिति सामान्य पाई गई। प्रशासन द्वारा क्षेत्र में लगातार निगरानी रखी जा रही है तथा जलस्तर एवं आवागमन की स्थिति पर सतत नजर बनाए रखी गई है। जिला प्रशासन ने बताया कि वर्तमान में जिले की स्थिति पूरी तरह सामान्य एवं नियंत्रण में है। कहीं से भी किसी बड़ी अप्रिय घटना की सूचना प्राप्त नहीं हुई है। इसके बावजूद प्रशासन किसी भी संभावित परिस्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है और सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय के साथ निरंतर कार्य कर रहे हैं। कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई ने जिलेवासियों से अपील करते हुए कहा है कि भारी बारिश एवं मेघ गर्जना के दौरान अनावश्यक रूप से घरों से बाहर न निकलें। नदी, नाले, पुल-पुलियों एवं जलभराव वाले क्षेत्रों को पार करने का प्रयास न करें तथा बच्चों को ऐसे स्थानों से दूर रखें। खराब मौसम के दौरान खुले स्थानों, ऊंचे पेड़ों तथा बिजली के खंभों के आसपास खड़े होने से बचें। किसी भी आपात स्थिति अथवा असामान्य परिस्थिति की जानकारी तत्काल स्थानीय प्रशासन अथवा संबंधित अधिकारियों को दें, ताकि समय पर आवश्यक सहायता उपलब्ध कराई जा सके। जिला प्रशासन ने नागरिकों से अफवाहों पर ध्यान न देने तथा केवल प्रशासन द्वारा जारी आधिकारिक सूचनाओं पर ही विश्वास करने की अपील की है। प्रशासन का कहना है कि आमजन के सहयोग, सतर्कता एवं जागरूकता से किसी भी संभावित आपदा का प्रभावी ढंग से सामना किया जा सकता है। जिला प्रशासन नागरिकों की सुरक्षा एवं सुविधा के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ चौबीसों घंटे कार्यरत है तथा प्रत्येक परिस्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है।

उफनते छिंद चूरेला नाला ने रोकी रफ्तार : सारंगढ़-बिलासपुर मुख्य मार्ग घंटों रहा ठप

बरमकेला/मूक पत्रिका

सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले में मानसून अब पूरी तरह सक्रिय हो चुका है। पिछले कई दिनों से जिलेभर में हो रही लगातार और मूसलाधार बारिश ने जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित कर दिया है। नदी-नाले उफान पर हैं, खेत-खलिहानों में पानी भर गया है और कई ग्रामीण व मुख्य सड़कें जलमग्न हो गई हैं। लगातार वर्षा के कारण जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। सबसे अधिक परेशानी उन लोगों को उठानी पड़ रही है जो प्रतिदिन शिक्षा, रोजगार, व्यापार, इलाज या अन्य जरूरी कार्यों के लिए एक स्थान से दूसरे स्थान तक आवागमन करते हैं।

सुबह करीब दो घंटे तक थमी रही रफ्तार, मुख्य मार्ग पर वाहनों की लगी लंबी कतार

लगातार हो रही बारिश के कारण सोमवार सुबह छिंद चूरेला नाला में जलस्तर तेजी से बढ़ गया और पुल के ऊपर तेज बहाव के साथ पानी बहने लगा। इसके चलते सारंगढ़ङ्कबिलासपुर मुख्य मार्ग करीब दो घंटे तक पूरी तरह बाधित रहा। सुबह के व्यस्त समय में मार्ग बंद होने से सड़क के दोनों ओर छोटे-बड़े वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। यह सड़क सारंगढ़, बरमकेला सहित कई शहरों को बिलासपुर से जोड़ने वाला प्रमुख मार्ग है। प्रतिदिन हजारों लोग इसी रास्ते से आवागमन करते हैं। बारिश के कारण अचानक मार्ग बंद होने से स्कूली बच्चे, शिक्षक, सरकारी कर्मचारी, व्यापारी, किसान, मरीज और अन्य यात्री बीच रास्ते में फंस गए। कई लोगों की महत्वपूर्ण बैठकें और जरूरी काम प्रभावित हुए, जबकि कई विद्यार्थियों की पढ़ाई भी प्रभावित हुई।

पुल के बीच बंद हुई यात्रियों से भरी बस, टला बड़ा हादसा

घटना के दौरान सबसे चिंताजनक स्थिति तब बनी जब बिलासपुर की ओर जा रही यात्रियों से भरी एक निजी बस उफनते नाले के बीच पुल पार करने लगी। बस धीरे-धीरे आगे बढ़ रही थी, लेकिन जैसे ही वह पुल के अंतिम छोर पर पहुंची, अचानक उसका इंजन बंद हो गया। कुछ क्षणों के लिए बस तेज बहाव के बीच पुल पर ही खड़ी रह गई। बस में बैठे यात्रियों के चेहरों पर भय साफ दिखाई दे रहा था। पुल के ऊपर लगातार बह रहे पानी और तेज धारा को देखकर लोगों की सांसें थम गईं। आसपास मौजूद लोग भी बस की ओर टकटकी लगाए देखते रहे। सभी को आशंका थी कि यदि पानी का बहाव और बढ़ गया या बस अधिक देर तक वहीं खड़ी रही तो बड़ी दुर्घटना हो सकती है। हालांकि चालक ने धैर्य नहीं खोया। उसने लगातार प्रयास करते हुए बस को दोबारा स्टार्ट किया। कुछ देर की मशक्कत के बाद इंजन चालू हुआ और बस धीरे-धीरे आगे बढ़ते हुए सुरक्षित पुल से बाहर निकल गई। बस के सुरक्षित निकलते ही यात्रियों और वहां मौजूद लोगों ने राहत की सांस ली।

खतरे को नजरअंदाज कर उफनते नाले को पार करते रहे लोग

पुल पर पानी होने के बावजूद कई लोग अपनी जान जोखिम में डालकर पैदल, मोटरसाइकिल और अन्य छोटे वाहनों से नाला पार करते नजर आए। तेज बहाव के बीच लोगों का इस तरह पुल पार करना बेहद खतरनाक साबित हो सकता था। स्थानीय लोगों ने कई बार राहगीरों को रोकने और सुरक्षित स्थान पर रुकने की सलाह दी, लेकिन कुछ लोगों ने जल्दबाजी में खतरे की परवाह नहीं की। बारिश के मौसम में ऐसी लापरवाही कभी भी बड़े हादसे में बदल सकती है। पिछले वर्षों में भी प्रदेश के कई हिस्सों में पुल-पुलियों पर बहते पानी को पार करने के दौरान दुर्घटनाएं हो चुकी हैं, लेकिन इसके बावजूद लोग सबक लेने को तैयार नहीं दिख रहे हैं।

सोशल मीडिया पर वायरल हुआ वीडियो

इस पूरी घटना का वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में साफ दिखाई दे रहा है कि किस प्रकार तेज बहाव के बीच बस पुल पर पहुंचकर बंद हो जाती है और कुछ देर तक वहीं फंसी रहती है। इसके बाद चालक के प्रयास से बस दोबारा स्टार्ट होती है और सुरक्षित पुल पार कर लेती है। वीडियो वायरल होने के बाद लोगों ने प्रशासनिक व्यवस्था पर सवाल उठाए हैं। सोशल मीडिया पर कई लोगों ने टिप्पणी करते हुए कहा कि पुल के ऊपर पानी होने के बावजूद वाहनों की आवाजाही क्यों नहीं रोकी गई। लोगों ने भविष्य में ऐसी घटनाओं से बचने के लिए कड़े सुरक्षा इंतजाम करने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते यहां ऊंचे पुल का निर्माण कर दिया जाए तो बरसात के दिनों में लोगों को बार-बार इस परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा। इसके अलावा दुर्घटनाओं की संभावना भी काफी हद तक कम हो जाएगी। लोगों ने यह भी मांग की है कि संवेदनशील पुल-पुलियों की लगातार निगरानी की जाए और जलस्तर बढ़ने पर तुरंत यातायात बंद कर दिया जाए। साथ ही दीर्घकालिक समाधान के रूप में छिंद चूरेला नाला पर उच्चस्तरीय पुल का निर्माण कराया जाए।

प्रशासन की अपील

लगातार हो रही बारिश को देखते हुए प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे उफनते नदी-नालों, पुल-पुलियों और जलभराव वाले मार्गों को पार करने का प्रयास न करें। थोड़ी सी लापरवाही भी बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकती है। प्रशासन ने लोगों से मौसम सामान्य होने और जलस्तर कम होने तक सुरक्षित स्थान पर रुकने तथा प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करने की अपील की है।

सुबह भारी बारिश के कारण छिंद चुरेला स्थित पुल के ऊपर से पानी जाने की सूचना मिली अभी कंट्रोल में है अभी फिर तेज बारिश होने का अनुमान है तो कोटवारों को अलर्ट कर दिया गया है पुल के ऊपर से पानी जाने पर आवागमन पूर्ण रूप से बंद रहेगा

मोहन साहू
तहसीलदार संरसीवा

जर्जर खंभे दे रहे हादसों को दावत, विद्युत विभाग मौन

रायगढ/मूक पत्रिका

घरों को रोशन करने के लिए लगाए गए बिजली के खंभे हादसे का सबब बने हैं। जगह-जगह जर्जर पोल तारों के बोझ से लटक गए हैं। इससे आवागमन में दिक्कतें हो रही हैं। कई ऐसे भी हैं, जो बरसात में जंग खाकर टूटकर गिरने की कगार पर हैं। इसके बावजूद इन खंभों को न तो बदला गया, न ही झुके पोल को सीधा ही किया, जबकि इन मार्गों से प्रतिदिन हजारों लोगों का आवागमन बना रहता है। शहर से गांव तक आपूर्ति पर भी असर पड़ रहा है। आए दिन खंभे और तार टूटकर गिर रहे हैं। क्षेत्रीय लोगों की शिकायतों के बावजूद विभाग इस ओर ध्यान नहीं दे रहे अधिकारियों को शायद बड़े हादसे का इंतजार है। जिला मुख्यालय लगा वार्ड धागरडीपा मार्ग पर शिवशीतल मंदिर के पास बिद्युत प्रवाहित लोहे का खम्भा पूरी तरह जंग खाकर खत्म हो गया है और कभी भी गिर सकती है इस मार्ग पर करीब एक दर्जन विद्यालय संचालित हैं। इस मार्ग पर प्रतिदिन कई हजारो बच्चों का आवागमन होता है। सड़क से इस मार्ग पर पहुंचते ही लोहे का खंभा लटक गया है। आने-जाने वाली स्कूल बसों को काफी असुविधा हो रही है। इस समस्या को लेकर कई बार विद्युत विभाग के अधिकारियों से मौखिक रूप से शिकायत की, लेकिन एक साल बाद भी समस्या ज्यों की त्यों बनी है। लेकिन बरसात भी सुरु हो चुकी है और कभी भी कोई बड़ी दुर्घटना को यह जर्जर बिजली के लोहे के खंभे बड़ी दुर्घटना को आमंत्रित कर रहे हैं।

छूटे हुए मकानों के सर्वे एवं मुआवजे की मांग को लेकर प्रभावित परिवारों ने कलेक्टर से लगाई गुहार

घरघोड़ा/मूक पत्रिका

ग्राम बरौद के एसईसीएल बरौद खुली खदान विस्तार परियोजना से प्रभावित ऐसे परिवार, जिनके वास्तविक आवश्यकता के अनुसार निर्मित मकान आज भी सर्वे एवं मुआवजे से वंचित हैं, उन्होंने जिला प्रशासन से न्याय की मांग करते हुए 60 परिवारों ने कलेक्टर जनदर्शन में आवेदन प्रस्तुत किया । प्रभावित परिवारों ने मांग की है कि उनके छूटे हुए मकानों का पुनः सर्वे कराकर एसईसीएल प्रबंधन से पात्रतानुसार मुआवजा लाभ प्रदान किया जाए। प्रभावितों का कहना है कि बरौद खुली खदान विस्तार परियोजना के लिए भूमि अधिग्रहण की अधिसूचना जारी होने के बाद निजी भूमि एवं मकानों का मुआवजा भुगतान किया गया, लेकिन मुआवजा मूल्यांकन एवं प्रक्रिया पूर्ण होने में एक से दो वर्ष का समय लग गया। इसी अवधि में कई परिवारों ने अपने बढ़ते परिवार एवं वास्तविक आवश्यकता को देखते हुए रहने के लिए छोटे-छोटे मकानों का निर्माण किया। इन मकानों का निर्माण किसी प्रकार का अतिरिक्त मुआवजा प्राप्त करने के उद्देश्य से नहीं, बल्कि पारिवारिक आवश्यकता के कारण किया गया था।ग्रामीणों का आरोप है कि आवश्यकता के अनुसार निर्मित इन मकानों का सर्वे नहीं होने से आज तक उन्हें मुआवजा ना मिल सका । इस संबंध में प्रभावित परिवारों ने कई बार एसईसीएल प्रबंधन एवं जिला प्रशासन के समक्ष व्यक्तिगत तथा सामूहिक रूप से आवेदन प्रस्तुत किए, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। प्रभावित परिवारों ने यह भी बताया कि कार्यालय तहसीलदार, घरघोड़ा द्वारा वर्ष 2021 में मकानों एवं परिवारों का पुनः सर्वे कराने के लिए संयुक्त टीम गठित करने का आदेश जारी किया गया था। इसके बावजूद सर्वे कार्य पूर्ण नहीं हो सका और बीच में ही रोक दिया गया। इससे अनेक पात्र परिवार आज भी मकान मुआवजा पुनर्वास योजना के लाभ से वंचित हैं।ग्रामीणों का कहना है कि अब गांव लगभग पूर्ण रूप से विस्थापन की स्थिति में पहुंच चुका है, इसलिए प्रशासन को इस लंबे समय से लंबित समस्या का शीघ्र समाधान करना चाहिए। उन्होंने जिला कलेक्टर से मांग की है कि छूटे हुए एवं आवश्यकता के अनुसार निर्मित मकानों का निष्पक्ष सर्वे कराकर पात्र परिवारों को नियमानुसार मुआवजा एवं पुनर्वास का लाभ दिलाया जाए। प्रभावित परिवारों ने उम्मीद जताई है कि जिला प्रशासन उनकी वर्षों पुरानी न्यायोचित मांग पर गंभीरता से विचार करते हुए आवश्यक कार्रवाई करेगा। ग्रामीणों ने आगे की रणनीति तैयार करते हुऐ बताया की अब भी हमारी समस्या को गंभीरता से नही लिया गया तो उच्च न्यायालय बिलासपुर (छ.ग.) में जनहित याचिका दायर करने पर मजबूर होंगे।

सहयोग केंद्र में खाद्य मंत्री बघेल ने कार्यकर्ताओं से किया संवाद

रायपुर/मूक पत्रिका

भारतीय जनता पार्टी के कुशाभाऊ ठाकरे परिसर स्थित प्रदेश कार्यालय में संचालित 'सहयोग केंद्र' में सोमवार को छत्तीसगढ़ शासन के खाद्य मंत्री दयाल दास बघेल ने उपस्थित होकर पार्टी कार्यकर्ताओं से सीधा संवाद किया। सहयोग केंद्र में इस दौरान खाद्य मंत्री श्री बघेल ने कार्यकर्ताओं की समस्याओं, सुझावों और विभिन्न जनहित के मुद्दों को विस्तार से सुना। कार्यकर्ताओं से चर्चा करते हुए श्री बघेल ने कहा कि संगठन और सरकार के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने में सहयोग केंद्र एक महत्वपूर्ण कड़ी साबित हो रहा है। कार्यकर्ताओं के माध्यम से आने वाली जनसमस्याओं का त्वरित निराकरण करना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। प्रदेशभर से काफी संख्या में आए कार्यकर्ताओं ने इस दौरान अपनी बात रखी और श्री बघेल ने सभी को आश्वस्त किया कि उनके द्वारा उठाए गए विषयों पर गंभीरता से कार्रवाई की जाएगी। ?इस दौरान मुख्य रूप से भाजपा प्रदेश मंत्री अमित साहू एवं कार्यालय मंत्री अशोक बजाज भी उपस्थित रहे।?

रायगढ़ के पुसौर क्षेत्र में चोरों के हौसले बुलंद किसान के खेत से केबल चोरी, ग्रामीणों में आक्रोश

रायगढ/मूक पत्रिका

जिला रायगढ़ के पुसौर थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम रेंगालपाली में चोरों का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। ताजा मामले में एक किसान के खेत से हजारों रुपये कीमत का सबमर्सिबल पंप का केबल वायर चोरी होने का मामला सामने आया है। पीड़ित किसान की शिकायत पर पुसौर पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (ङ्कहस्र) की धारा 303(2) के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

शाम को मिली चोरी की सूचना-मिली जानकारी के अनुसार, ग्राम रेंगालपाली निवासी ऋषिकेश साव उर्फ संतोष साव पेशे से किसान हैं। वे हाईस्कूल भट्ठी रोड के पीछे स्थित अपने खेत में बोर (बोरवेल) लगवाकर खेती-किसानी का कार्य करते हैं। दिनांक 4 जुलाई 2026 को वे रोजाना की तरह अपने खेत में काम करने के बाद घर लौट आए थे। इसी बीच शाम करीब 5:30 बजे ग्रामीणों के माध्यम से उन्हें सूचना मिली कि उनके खेत में लगे बोर का केबल गायब है। पीड़ित किसान ने बताया ÷जब मैं भागते हुए खेत पर पहुँचा, तो देखा कि बोर में लगा लगभग 100 मीटर लंबा केबल वायर वहां मौजूद नहीं था। कोई अज्ञात चोर उसे काटकर ले जा चुका था। चोरी गए इस केबल की अनुमानित कीमत करीब 20,000 रुपये है।

गांव में पहले भी हो चुकी हैं कई चोरियां-पीड़ित किसान ऋषिकेश साव ने पुलिस को बताया कि गांव में यह कोई पहली घटना नहीं है। इससे पहले भी चोरों ने गांव के कई अन्य किसानों और सरकारी संपत्ति को निशाना बनाया है। ग्रामीणों के अनुसार, पूर्व में इन लोगों के यहाँ भी चोरियां हो चुकी हैं:किसानों के खेतों से केबल चोरी: संतोष साव, जगन्नाथ साव, जगन्नाथ गुप्ता, रवि निषाद, गंगाराम गुप्ता, पालु राम साव, कृष्ण कुमार गुप्ता और सोनु यादव के खेतों से भी बोरवेल के केबल वायर चोरी हो चुके हैं।प्राइमरी स्कूल में भी बोला धावा: चोरों ने गांव के प्राइमरी स्कूल को भी नहीं बख्शा, जहां से केबल वायर, मोटर और लैपटॉप जैसे कीमती सामान पार कर दिए गए।

पुलिस ने दर्ज किया मामला-बार-बार हो रही चोरियों से रेंगालपाली के ग्रामीणों में भारी आक्रोश है। लगातार हो रही इन वारदातों से किसानों को आर्थिक नुकसान झेलना पड़ रहा है। फिलहाल, ऋषिकेश साव की रिपोर्ट पर पुसौर थाना पुलिस ने नए कानून के तहत धारा 303(2)-ङ्कहस्र के अंतर्गत अपराध पंजीकृत कर लिया है और अज्ञात चोरों की सरगर्मी से तलाश शुरू कर दी है।

चेरपाल क्काष्ट ने NQAS मूल्यांकन किया पूरा, स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता पर मिली सराहना

बीजापुर/मूक पत्रिका

आशीष पदमवार। विकासखंड बीजापुर के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र चेरपाल ने राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक के तहत हुए बाह्य मूल्यांकन को सफलतापूर्वक पूरा किया है। दो दिनों तक चली इस प्रक्रिया में नई दिल्ली से आई राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्रणाली संसाधन केंद्र की विशेषज्ञ टीम ने अस्पताल की व्यवस्थाओं का बारीकी से जायजा लिया। 3 और 4 जुलाई को हुए मूल्यांकन के दौरान ओपीडी, आईपीडी, लेबर रूम, प्रयोगशाला, दवा भंडारण, संक्रमण नियंत्रण, स्वच्छता, राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों के संचालन, मरीजों को मिलने वाली सुविधाओं और रिकॉर्ड संधारण सहित कई बिंदुओं की जांच की गई। टीम ने अस्पताल की कार्यप्रणाली और व्यवस्थाओं का भी मूल्यांकन किया। इस दौरान सीएमएचओ बीआर पुजारी के मार्गदर्शन और बीएमओ चेलापति राव के नेतृत्व में जिला और विकासखंड स्तर के अधिकारियों के साथ चिकित्सा अधिकारी, स्टाफ नर्स, फार्मासिस्ट, लैब टेक्नीशियन, सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी, मितानिन सहित स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों ने आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध कराए और मूल्यांकन दल का सहयोग किया। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों का कहना है कि मूल्यांकन के दौरान मिले सुझावों के आधार पर स्वास्थ्य केंद्र में जरूरी सुधार किए जाएंगे, ताकि मरीजों को और बेहतर व सुरक्षित स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकें। विभाग का मानना है कि चेरपाल क्काष्ट का यह प्रयास जिले में गुणवत्ता आधारित स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने की दिशा में सकारात्मक कदम है।

कृषि विभाग के समक्ष ढोल,नगाड़े बजाकर किया विरोध प्रदर्शन

नकली डीएपी/खाद/बीज को लेकर भाजपा सरकार के खिलाफ खोला मोर्चा

छत्तीसगढ़ को अपराध का गढ़ बनाने के बाद अब भ्रष्टाचार का 'हब' बना रही साय सरकार,किसानों की पीठ पर छुरा घोंपकर बेचा जा रहा मिट्टी से बना डीएप- सुशील मौर्य

भारत डीएपी' का पोटाश पूरी तरह से निकला फर्जी,मिट्टी से बना डीएपी थमाकर बस्तर के मासूम किसानों के साथ क्रूर मजाक कतई बर्दाश्त नहीं ...

शासकीय लैंप्स व निजी कृषि केंद्रों तक फैला फर्जीवाड़े का जाल!भाजपा के बड़े चेहरों के संरक्षण में फल-फूल रहे इस काले खेल की हो उच्च स्तरीय निष्पक्ष जांच- प्रेमशंकर शुक्ला ....

जगदलपुर/मूक पत्रिका

जगदलपुर बस्तर जिला कांग्रेस कमेटी पवन कुमार नाग - जगदलपुर। आज संभाग मुख्यालय जगदलपुर में बस्तर जिला कांग्रेस कमेटी शहर ग्रामीण के संयुक्त तत्वाधान में शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुशील मौर्य जी के निर्देश पर बस्तर जिला कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं के द्वारा भाजपा सरकार के संरक्षण में बिक रहे नकली डीएपी/खाद/बीज के खिलाफकिसानों की हितो की रक्षा व दोषियों पर सख्त कार्यवाही की मांग को लेकर कृषि विभाग कार्यालय जगदलपुर के समक्ष ढोल नगाड़ा बजाकर कुम्भकर्णीय नींद में सोई भाजपा सरकार को जगाने अनोखा विरोध प्रदर्शन किया गया .... शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुशील मौर्य ने राज्य की भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा साय सरकार ने छत्तीसगढ़ को अपराध का गढ़ बनाने के बाद अब इसे भ्रष्टाचार का 'हब' बना दिया है।अन्नदाताओं की पीठ पर छुरा घोंपते हुए उन्हें मिट्टी से बना नकली डीएपी थमाया जा रहा है।भारत डीएपी' के नाम पर जो पोटाश और खाद बस्तर के बाजारों में खपाया जा रहा है, वह पूरी तरह से फर्जी और अमानक निकला है। किसानों के अनुभवों से यह साफ हो चुका है कि यह खाद सिर्फ मिट्टी और कंकड़ का मिश्रण है। बस्तर के मासूम और भोले-भाले किसानों के साथ ऐसा क्रूर मजाक कांग्रेस पार्टी कतई बर्दाश्त नहीं करेगी।इस महा-फर्जीवाड़े की जड़ें बहुत गहरी हैं। नकली और अमानक खाद-बीज का यह काला साम्राज्य सिर्फ निजी दुकानों तक सीमित नहीं है, बल्कि शासकीय लैंप्स और सहकारी समितियों के माध्यम से भी इसे धड़ल्ले से किसानों को थमाया जा रहा है। यह सीधे तौर पर बस्तर के कृषि ढांचे और किसानों की अर्थव्यवस्था को तबाह करने की बड़ी साजिश है। जो कांग्रेस पार्टी कभी होने नहीं देगी !भाजपा के बड़े चेहरों के संरक्षण में चल रहा करोड़ों रुपये का यह काला खेल धड़ल्ले से फल-फूल रहा है,जिसके कारण जिम्मेदार अधिकारी भी आंखें मूंदे बैठे हैं। बस्तर जिला कांग्रेस कमेटी ने साय सरकार और जिला प्रशासन से प्रमुख मांग करती है कि इस पूरे फर्जीवाड़े की उच्च स्तरीय निष्पक्ष जांच कराई जाए जिसमें समस्त शासकीय व निजी लैंप्स और सभी कृषि केंद्रों की जांच हो ताकि इसमें शामिल सफेदपोश चेहरों का पर्दाफाश हो सके।नकली डीएपी और बीज की सप्लाई करने वाली कंपनियों और इन्हें संरक्षण देने वाले अधिकारियों पर आपराधिक मामला स्वढ्ढक्रदर्ज कर सख्त कार्रवाई हो।जिन किसानों की फसलें इस नकली खाद-बीज के कारण प्रभावित हुई हैं,उन्हें सरकार तुरंत उचित मुआवजा दे। शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुशील मौर्य ने सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि यदि जल्द ही इस नकली खाद-बीज के काले कारोबार पर पूर्ण प्रतिबंध नहीं लगाया गया और दोषियों को जेल नहीं भेजा गया,तो बस्तर जिला कांग्रेस कमेटी किसानों के हक के लिए उग्र आंदोलन और चक्काजाम करने को बाध्य होगी, जिसकी पूरी जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी। बस्तर जिला कांग्रेस कमेटी के प्रदर्शन में शामिल हुए छत्तीसगढ़ विधानसभा के उपनेता लखेश्वर बघेल ने कहा प्रदेश सरकार पर किसानों की लगातार उपेक्षा कर रही है,खरीफ सीजन के सबसे महत्वपूर्ण समय में किसान खाद और बीज के लिए दर-दर भटकने को मजबूर हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश की भाजपा सरकार किसानों को राहत देने में पूरी तरह विफल साबित हुई है। किसान सुबह से देर शाम तक सहकारी समितियों और खाद केंद्रों के बाहर लंबी कतारों में खड़े रहते हैं, लेकिन उन्हें पर्याप्त मात्रा में डीएपी खाद उपलब्ध नहीं हो पा रही है मिट्टी से बना नकली डीएपी थमाया जा रहा है।भारत डीएपी' के नाम पर जो पोटाश और खाद बस्तर के बाजारों में खपाया जा रहा है, वह पूरी तरह से फर्जी और अमानक निकला है। किसानों के अनुभवों से यह साफ हो चुका है कि यह खाद सिर्फ मिट्टी और कंकड़ का मिश्रण है। जो कि किसानों के साथ बेहद निंदनीय है! जिला कांग्रेस कमेटी ग्रामीण के अध्यक्ष प्रेमशंकर शुक्ला ने कहा कि प्रदेश की सरकार किसानों के साथ लगातार छलावा कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि किसान डीएपी खाद लेने के लिए घंटों कतारों में खड़े रहने को मजबूर हैं, लेकिन उन्हें असली खाद के नाम पर मिट्टी जैसी बेगुणवत्ता वाला डीएपी उपलब्ध कराया जा रहा है।

संपादकीय

भारत-जापान की दोस्ती का नया अध्याय, दोनों देशों की एक जैसी चुनौती

एनर्जी सिक्योरिटी और सप्लाई चेन आज जिस अनिश्चित स्थिति में हैं, उसे देखते हुए भारत-जापान के बीच तमाम क्षेत्रों में हुआ समझौता भविष्य की जरूरतों के लिए अहम है। पहली बार जॉइंट डिफेंस को-डिवेलपमेंट प्रॉजेक्ट के लिए एग्रीमेंट होना दिखाता है कि दोनों देश दोस्ती को नए मकाम पर ले जाना चाहते हैं।जापान की पीएम सनाए तकाइची तीन दिन के दौरे पर भारत में हैं। पिछले साल अगस्त में 15वें भारत-जापान वार्षिक सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए पीएम नरेंद्र मोदी तोक्यो गए थे। दोनों देशों के बीच विभिन्न स्तरों पर सहयोग लगातार बढ़ा है। इनके बीच का भरोसा तकाइची के इस दौरे में भी दिख रहा है, जहां पीएम मोदी ने उन्हें छोटी बहन कहकर संबोधित किया। दोनों देशों ने आर्थिक सुरक्षा का रोडमैप तैयार किया है, जो बदली वैश्विक परिस्थितियों को देखते हुए बेहद जरूरी है। अब केवल सस्ती आपूर्ति या कुछ देशों पर अत्यधिक निर्भरता से काम नहीं चलेगा। कोविड से लेकर यूक्रेन युद्ध और पश्चिम एशिया संकट तक ने ग्लोबल सप्लाई चेन की कमजोरियों को उजागर कर दिया है। उस पर चीन की अपनी मनमानी है, जो रेयर अर्थ पर एकाधिकार को हथियार की तरह इस्तेमाल करता है। जापान और भारत, दोनों ही इस चुनौती का सामना कर रहे हैं। इस लिहाज से ढ्ढ, सेमीकंडक्टर, बायोगैस और क्रिटिकल टेक्नॉलजी में हुआ मेमोरेंडम ऑफ कोऑपरेशन बेहद अहम है। भारत और जापान ने रक्षा क्षेत्र में भी बड़ा कदम उठाया है। दोनों देश मिलकर नेवल रेडियो एंटीना यूनिकॉर्न बनाएंगे। इससे डिफेंस टेक्नॉलजी में साझेदारी के नए रास्ते खुलने की उम्मीद है। क्षेत्रीय स्थिरता और नियम आधारित हिंद-प्रशांत क्षेत्र के लिए इन दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग अहम है। दोनों देश क्वाड के सदस्य हैं और उस मंच की भी चिंता चीन की बढ़ती आक्रामकता है। चूंकि अब अमेरिका की प्राथमिकताएं बदलती दिख रही हैं, तो पेइचिंग की नीतियों से प्रभावित होने वाले दूसरे देशों को आगे आने की जरूरत है। हालांकि नई दिल्ली-तोक्यो की दोस्ती को किसी तीसरे के खिलाफ नहीं देखा जाना चाहिए।जापान लंबे समय से भारत का महत्वपूर्ण आर्थिक सहयोगी रहा है, और यह दौरा उस सहयोग का और विस्तार करेगा। पिछले एक साल में करीब 120 व्यापारिक समझौते हुए हैं और इनसे 10 अरब डॉलर से ज्यादा का जापानी निवेश भारत आएगा। सरकार चाहती है कि अगले एक दशक में भारत में जापानी कंपनियों की संख्या दोगुनी हो जाए। यह लक्ष्य बिल्कुल पाया जा सकता है। जापान को बाजार और मैन पावर चाहिए, जबकि भारत को तकनीक। दोनों एक-दूसरे के काम आ सकते हैं।

थोक महंगाई ने दी खतरे की घंटी, क्या अर्थव्यवस्था पर गहराने वाला है नया संकट?

केंद्र सरकार ने हाल ही में महंगाई को मापने के इस पारंपरिक तरीके में एक बड़ा बदलाव किया है। लगभग 14 वर्षों बाद थोक महंगाई सूचकांक के आधार वर्ष को पूरी तरह बदल दिया गया है।केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय की ओर से हाल में जारी एक रिपोर्ट के आंकड़ों से पता चलता है कि मई 2026 में थोक महंगाई दर में भारी उछाल दर्ज किया गया और यह 9.68 प्रतिशत पर पहुंच गई है। अगर हम इसकी तुलना अप्रैल 2026 से करें, तो तब यह दर लगभग 8.3 प्रतिशत के करीब थी। केवल एक महीने के भीतर महंगाई का इतनी तेजी से ऊपर जाना इस बात का स्पष्ट संकेत है कि देश की अर्थव्यवस्था में सब कुछ सामान्य नहीं चल रहा है।

(रंजना मिश्रा)

यह आंकड़ा देश के हर एक नागरिक, हर छोटे-बड़े व्यापारी और हर उद्योग पर पड़ने वाले सीधे असर की ओर इशारा करता है। महंगाई ने न केवल देश के शीर्ष नीति-निर्माताओं और अर्थशास्त्रियों को सोचने पर मजबूर कर दिया है, बल्कि आम जनता के घर के बजट को भी पूरी तरह बिगाड़ दिया है। दरअसल, थोक महंगाई मुख्य रूप से वह दर है, जिस पर थोक बाजार में चीजों की बड़े पैमाने पर खरीद-बिक्री होती है। यानी जब कोई बड़ा कारखाना या उत्पादक अपना तैयार माल थोक विक्रेताओं या वितरकों को बेचता है, तो वस्तुओं की कीमतों में जो बदलाव आता है, उसे इसी दर से मापा जाता है। हालांकि, आम आदमी सीधे तौर पर थोक बाजार से सामान नहीं खरीदता है, लेकिन अर्थशास्त्र का यह नियम है कि जब थोक में सामान महंगा होता है, तो कुछ ही समय बाद खुदरा बाजार में भी उसी अनुपात में दाम बढ़ जाते हैं। थोक महंगाई आज की कड़वी सच्चाई है, जिसकी आंच कल आम आदमी की रसोई और जेब तक तेजी से पहुंचने वाली है।

केंद्र सरकार ने हाल ही में महंगाई को मापने के इस पारंपरिक तरीके में एक बड़ा बदलाव किया है। लगभग 14 वर्षों बाद थोक महंगाई सूचकांक के आधार वर्ष को पूरी तरह बदल दिया गया है। पहले यह आधार वर्ष 2011-12 हुआ करता था, लेकिन अब इसे अद्यतन कर वर्ष 2022-23 कर दिया गया है। इस बदलाव का मुख्य उद्देश्य आज की बदलती अर्थव्यवस्था की असली तस्वीर को सामने लाना है।

इतना ही नहीं, पहले के सूचकांक में सिर्फ 697 वस्तुओं की कीमतों पर नजर रखी जाती थी, लेकिन अब नई प्रणाली में 957 अलग-अलग वस्तुओं को शामिल कर लिया गया है। इस नए सूचकांक में सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा और परमाणु बिजली को पहली बार शामिल किया गया है। इसके साथ ही, कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस को प्राथमिक वस्तुओं की श्रेणी से हटाकर 'ईंधन और ऊर्जा' के समूह में डाल दिया गया है। सरकार ने इस मूल्य निर्धारण प्रणाली को दुनिया के विकसित देशों के मानकों के अनुरूप बनाने के लिए और अधिक पारदर्शी तरीके से 'प्रोड्यूसर प्राइस इंडेक्स' (पीपीआई) की शुरुआत भी की है।

सवाल है कि थोक महंगाई ने अचानक इतनी तेज छलांग क्यों लगाई? दरअसल, थोक महंगाई की इस आग में सबसे ज्यादा घी डालने का काम ईंधन की कीमतों ने किया है। नई रिपोर्ट के आंकड़े बताते हैं कि मई 2026 में ईंधन और ऊर्जा क्षेत्र की महंगाई दर 30.33 प्रतिशत के चिंताजनक स्तर पर पहुंच गई, जो अप्रैल में 24.89 प्रतिशत थी। इसका प्रमुख कारण पश्चिम एशिया में चल रहा भू-राजनीतिक तनाव और देशों के बीच का संघर्ष है। जब भी दुनिया के उस संवेदनशील हिस्से में अशांति होती है, जहां से पूरी दुनिया को कच्चा तेल मिलता है, तो ईंधन की कीमतें आसमान छूने लगती हैं। भारत अपनी जरूरत का ज्यादातर कच्चा तेल विदेश से ही खरीदता है। ऐसे में अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में आए भारी उछाल ने भारत की घरेलू अर्थव्यवस्था की रफ्तार को धीमा कर दिया है।

दूसरी ओर, खाद्य महंगाई हमेशा से भारत जैसे विशाल आबादी वाले देश में संवेदनशील मुद्दा रही है, क्योंकि एक आम भारतीय परिवार की आय का बहुत बड़ा हिस्सा सिर्फ खाने-पीने की बुनियादी चीजों पर ही खर्च होता है। रिपोर्ट के अनुसार, मई 2026 में खाने-पीने की चीजों की थोक महंगाई दर भी तेजी से उछलकर 4.49 प्रतिशत पर पहुंच गई है, जो अप्रैल में 3.11 प्रतिशत के स्तर पर थी। अगर हम सिर्फ प्राथमिक खाद्य वस्तुओं के सूचकांक को देखें, तो यह दर 3.60 प्रतिशत तक जा पहुंची है। यानी अनाज, फल और दूध जैसी बुनियादी चीजों के दाम भी थोक मंडियों में तेजी से बढ़ रहे हैं। विशेष रूप से तिलहन और मसालों की कीमतों में भारी उछाल देश भर में चिंता का विषय बना हुआ है।

इसके पीछे मुख्य रूप से दो बड़े कारण जिम्मेदार हैं। पहला, माल ढुलाई का महंगा होना, क्योंकि किसानों के खेतों से निकलकर मंडियों और फिर दुकानों तक अनाज पहुंचाने में डीजल का भारी मात्रा में इस्तेमाल होता है। दूसरा बड़ा कारण मौसम की अनिश्चितता और जलवायु परिवर्तन है। पिछले कुछ समय में कम बारिश, बेमौसम बरसात और बढ़ते तापमान ने कृषि उत्पादन पर काफी बुरा असर डाला है।

इस महंगाई का एक और बेहद गंभीर पहलू हमारे देश के सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) से सीधे तौर पर जुड़ा है। ये छोटे उद्योग हमारी अर्थव्यवस्था की रीढ़ माने जाते हैं और सबसे अधिक रोजगार इन्हीं क्षेत्रों से पैदा होता है। जब बड़े कारखानों में महंगाई बढ़ती है, तो उनके पास अक्सर इतना पैसा और बाजार की शक्ति होती है कि वे उस झटके को सह सकें या उसे आसानी से ग्राहकों तक पहुंचा सकें, लेकिन छोटे उद्योगों के पास यह सुविधा नहीं होती।

जब किसी छोटे कारखाने को कच्चे माल के लिए ज्यादा कीमत चुकानी पड़ती है और साथ ही उसे परिवहन और बिजली का भी भारी बिल चुकाना पड़ता है, तो उसका थोड़ा-बहुत मुनाफा भी खत्म हो जाता है। अगर वह अपनी चीजों की कीमत बहुत बढ़ा देता है, तो आम ग्राहक उसे खरीदना बंद कर देते हैं और बड़ी कंपनियों के उत्पाद खरीदने लगते हैं। इस दोहरी मार से कई छोटे कारखाने बंद होने के कगार पर पहुंच जाते हैं। जब ये बंद होते हैं, तो वहां काम करने वाले श्रमिकों का रोजगार भी छिन जाता है।

किसी व्यक्ति का रोजगार जाने का मतलब है कि उस पूरे परिवार की सामान खरीदने की क्षमता खत्म हो जाना। जब लोग बाजार से सामान खरीदना कम कर देते हैं, तो मांग तेजी से घट जाती है और जब मांग घटती है, तो अर्थव्यवस्था की रफ्तार स्वाभाविक रूप से धीमी पड़ने लगती है। थोक महंगाई की यह नई रिपोर्ट केवल बढ़ती कीमतों का एक साधारण संकेत नहीं है, बल्कि यह हमारे उद्योग जगत के सामने खड़े एक बड़े आर्थिक संकट की चेतावनी भी है। जब तक ऊर्जा की अपनी जरूरतों के लिए भारत की निर्भरता दूसरे देशों के कच्चे तेल पर ज्यादा बनी रहेगी, तब तक देश की अर्थव्यवस्था इसी तरह विदेशी झटकों का शिकार होती रहेगी। इस समस्या का एकमात्र स्थायी समाधान यही है कि भारत को सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा और हरित हाइड्रोजन जैसे वैकल्पिक एवं स्वच्छ ऊर्जा स्रोतों की तरफ अपने कदम मजबूती से बढ़ाने होंगे, ताकि वह ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बन सके।

यमुना जल समझौता: सफल होते भागीरथी प्रयास

(डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा)

गंगानदी पर करीब एक हजार बांध हैं तो गोदावरी पर 350 के आसपास बांध है। इन बांधों पर पानी को सहेजते हुए नदियों के पानी को अनुपयोगी व बर्बादी का कारण बनने से बचाने के स्थान पर क्षेत्रों में पानी की समस्या का समाधान किया जाता है। जहां तक पार्वती, कालीसिंध, चंबल ईस्टर्न राजस्थान केनाल परियोजना का प्रश्न है।

राजस्थान में कहावत है कि जल थोड़ो नेह घणो तो दूसरी और घी मांग्या म? पण पाणी मांग्या नहीं म?। यानी राजस्थान में पानी भले ही कम हो पर नेह अर्थात स्नेह खूब है तो दूसरी और राजस्थान में घी आसानी से मिल जाता है पर पानी बहुत कम मिल पाता है। यह आज के नहीं सदियों से चले आ रहे हालात है। मृग मरिचिका की तरह पानी की तलाश में लंबी दूरिया तय करनी पड़ती थी पर आज हालात तेजी से बदल रहे हैं। पानी को लेकर समग्र प्रयास किये जा रहे है। राजस्थान नहर ने जहां पश्चिमी राजस्थान की तकदीर ही बदल दी है वहीं नदियों को जोड़ने या अतरिक्त पानी को संजोने के समग्र प्रयास किये जा रहे हैं। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मुख्यमंत्री का पद संभालते ही पानी को लेकर भागीरथी प्रयास शुरु किये और उन प्रयासों ने रंग लाना शुरु कर दिया है। यमुना जल समझौते के साथ ही राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के राजस्थानवासियों के लिए पानी की समस्या के समाधान के लिए किये जा रहे भागीरथी प्रयासों की कड़ी में एक और मनका जुड़ गया है। देश के लिए यह कोई नई बात नहीं है कि राजस्थान पानी की कमी से जूझता प्रदेश है। यहां पर पेयजल सहित पानी की निर्भरता बरसाती पानी को लेकर ही रही है। अत्यधिक दोहन के चलते जहां पानी उपलब्ध भी है तो वहां पर जलस्तर तेजी से नीचे जाता जा रहा है ऐसे में पानी को लेकर समग्र, समन्वित और योजनाबद्ध प्रयास किया जाना जरुरी हो जाता है।

केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह की उपस्थिति में राजस्थान और हरियाणा के बीच यमुना जल समझौते पर मेमोरण्डम ऑफ एग्रीमेंट एमओए के हस्तांतरण के साथ ही राजस्थान में यमुना जल के 32 साल पुराने सपने के साकार होने की राह प्रशस्त हो गई है। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के प्रयासों का ही परिणाम है कि राजस्थान और हरियाणा के बीच ऐतिहासिक समझौता संपन्न हुआ है। राजस्थान और हरियाणा सरकार के बीच समझौते से खासतौर से शेखावटी के तीन जिले चुरु, झुन्झुनू और सीकर तक यमुना का जल पहुंच सकेगा। इससे इन जिलों की पेयजल और सिंचाई की समस्या का समाधान संभव हो सकेगा। दरअसल 12 मई, 1994 को उपरी यमुना जल बेसिन समझौता हुआ और इसके अनुसार राजस्थान को 10.4 प्रतिशत पानी मिलना था। पर 32 साल बीत जाने के बाद भी यह समझौता धरातल पर उतरने की स्थिति में नहीं आ सका। 29 जून, 2026 को नई दिल्ली के कर्तव्य भवन में केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह की उपस्थिति में केन्द्रीय जल संसाधन मंत्री सीआर पाटिल, हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की उपस्थिति पर ऐतिहासिक समझौते का परस्पर हस्तांतरण होना अपने आपमें महत्वपूर्ण हो जाता है।

लंबे समय से राजनीतिक आरोप प्रत्यारोपों के बीच राजस्थान में भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में नई सरकार के गठन के साथ ही राजस्थान में पानी की समस्या को दूर करने के लिए भागीरथी प्रयास शुरु कर दिए गए। उसी का परिणाम है कि पहले पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना ईआरसीपी पर बात बनी और उसके बाद रामजल सेतु लिंक प्रोजेक्ट धरातल पर आना शुरु हुआ। अब यमुना जल समझौते के साथ ही भजनलाल शर्मा के सही मायने में मरुधरा में पानी लाने के भागीरथी प्रयास आकार लेने लगे हैं। भजनलाल शर्मा की पानी को लेकर गंभीरता को इसी से समझा जा सकता है कि पिछले दिनों गंगा दशहरे से विश्व पर्यावरण दिवस तक वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान समूचे प्रदेश में संचालित किया गया। देखा जाए तो यह दूरदर्शी निर्णय और प्रयास जल संकट से निजात और बर्बाद होते पानी के सदुपयोग की दिशा में बढ़ता कदम माना जाना चाहिए। दरअसल नदियों के बरबाद होते पानी का सही उपयोग तय करने के लिए 1999 में पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई ने राष्ट्रीय नदी जोड़ो परियोजना आरंभ की थी। यह योजना सिरे से चढ़ती उससे पहले ही 2004 में नई सरकार आते ही इस परियोजना को ठंडें बस्ते में ड़ाल दिया गया। इसके बाद 2012 में सर्वोच्च न्यायालय ने इस महत्वाकांक्षी परियोजना को जारी रखने के केन्द्र सरकार को निर्देश दिए। राष्ट्रीय जल विकास प्राधिकरण द्वारा 44605 करोड़ की लागत से केन-बेतवा लिंक परियोजना पर काम किया जा रहा है।

गंगानदी पर करीब एक हजार बांध हैं तो गोदावरी पर 350 के आसपास बांध है। इन बांधों पर पानी को सहेजते हुए नदियों के पानी को अनुपयोगी व बर्बादी का कारण बनने से बचाने के स्थान पर क्षेत्रों में पानी की समस्या का समाधान किया जाता है। जहां तक पार्वती, कालीसिंध, चंबल ईस्टर्न राजस्थान केनाल परियोजना का प्रश्न है। यह राजस्थान और मध्यप्रदेश सरकार व केन्द्र से सहमति नहीं बनने के कारण लंबे समय से आगे नहीं बढ़ पा रही थी।

आर्थिक मोर्चे पर भारत की रफ्तार तेज- हर पैमाने पर मजबूत हुई भारतीय अर्थव्यवस्था

(अमन तिवारी)

वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत घरेलू मांग, बढ़ते सार्वजनिक निवेश और रिकॉर्ड जीएसटी संग्रह के सहारे तेजी से आगे बढ़ रही है। वित्त वर्ष 2025-26 में 7.7 फीसदी जीडीपी वृद्धि के साथ भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था बना रहा। वैश्विक अनिश्चितताओं और युद्ध संकट के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूती के साथ आगे बढ़ रही है। मजबूत घरेलू मांग, सार्वजनिक निवेश और स्थिर राजस्व संग्रह के दम पर आने वाले महीनों में भी विकास की रफ्तार बनी रहेगी।

सरकारी आर्थिक संकेतकों के अनुसार, वित्त वर्ष 2025-26 में देश ने 7.7 फीसदी की जीडीपी वृद्धि दर्ज कर दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था का दर्जा बरकरार रखा। विनिर्माण और सेवा क्षेत्र में विस्तार, औद्योगिक उत्पादन में तेजी, मजबूत जीएसटी संग्रह और बढ़ते पूंजीगत व्यय ने आर्थिक गतिविधियों को गति दी है।

वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही में वास्तविक जीडीपी वृद्धि दर 7.8 फीसदी रही, जबकि पिछले वर्ष की समान अवधि में यह 7 फीसदी थी। यह बढ़ोतरी मुख्य रूप से विनिर्माण, सेवा क्षेत्र, खपत और निवेश में सुधार के कारण दर्ज की गई। राजकोषीय अनुशासन पर भरोसा...सरकार को भरोसा है कि पश्चिम एशिया संकट के बाद कच्चे तेल और उर्वरकों की कीमतों में आई नरमी से वित्त वर्ष 2026-27 में राजकोषीय घाटे के लक्ष्य (जीडीपी का 4.3त्न) को हासिल करने में मदद मिलेगी। इसके अलावा, उच्च आवृत्ति वाले संकेतकों ने भी मजबूती दिखाई। औद्योगिक और व्यावसायिक गतिविधियां तेज होने से बिजली की मांग मई में 11.2 फीसदी बढ़ी। बंदरगाहों पर माल ढुलाई वृद्धि दर 6.6 फीसदी पहुंच गई। वाहनों की मांग में भी तेजी बनी रही। गावों में वाहनों की बिक्री मई में 7.8 फीसदी बढ़ी, जो ग्रामीण अर्थव्यवस्था में मजबूती का संकेत है।

जीएसटी और कर संग्रह में मजबूती

जून 2026 में सकल जीएसटी संग्रह 13.9 फीसदी बढ़कर लगभग 1.95 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया, जबकि 17 जून तक शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह 14.64 फीसदी बढ़कर 5.21 लाख करोड़ रहा। मई में ई-वे बिल जनरेशन 10.9 फीसदी बढ़ा।

बुनियादी ढांचे पर निवेश बढ़ा

अप्रैल-मई 2026 के दौरान पूंजीगत व्यय बढ़कर 2.51 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया, जो पिछले वर्ष की समान अवधि से करीब 29,650 करोड़ अधिक है। अकेले भारतीय रेलवे ने 84,000 करोड़ से अधिक खर्च किया।

विनिर्माण व सेवा क्षेत्र का विस्तार

जून 2026 में एचएसबीसी इंडिया मैन्युफैक्चरिंग पीएमआई 54.2 पर रहा। लगातार 37वें महीने यह 50 के ऊपर बना हुआ है, जो विनिर्माण गतिविधियों में विस्तार का संकेत है। सेवा क्षेत्र भी आर्थिक वृद्धि का प्रमुख आधार बना। नए ग्राहकों की संख्या बढ़ने, मांग में सुधार और निर्यात ऑर्डरों में बढ़ोतरी से गतिविधियां तेज हुई हैं। औद्योगिक उत्पादन पांच महीने के उच्च स्तर पर देश का औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) मई 2026 में बढ़कर 5.1 फीसदी हो गया, जो पांच महीनों का उच्चतम स्तर है। मोटर वाहन, इलेक्ट्रिक उपकरण और बेसिक मेटल उद्योगों ने बेहतर प्रदर्शन किया।

सिस्टम को चट कर रहीं दीमक !

डॉ.सूर्यकांत मिश्रा, राजनांदगांव, छत्तीसगढ़.

तड़क - भड़क और एशो आराम से भरी चमचमाती दुनिया में हर इंसान को प्यारी है कुर्सी । यह एक ऐसी आरामदायक चीज है जिस पर बैठने वाला जरूरी नित्यकर्म के लिए ही उससे उतना चाहता है ! यदि मै यह कहूं कि कुर्सी नामक यह चीज अन्य चीजों से भव्य आवरण रखती है तो गलत नहीं होगा । राज सिंहासन से लेकर सरकारी दफ्तरों की वह कुर्सी जो व्हील चेयर कहलाती है , उसमें विराजमान व्यक्ति के प्रभुत्व का प्रदर्शन कर रही होती हैं । इन कुर्सियों की ताकत का अनुभव कर अच्छे - अच्छों के पैर डगमगा जाते हैं ! देखा जाए तो इन कुर्सियों का निर्माण लकड़ी से ही किया जाता है , किंतु कहीं - कहीं लोहे की कुर्सी भी बना दी जाती है । इन कुर्सियों को एक विशेष प्रकार का अदना सा जीव ऐसे चट कर जाता है , जैसे उसका निर्माण उसी के लिए किया गया हो ! उस छोटे से अदने को हम ÷ दीमक ÷ के नाम से पहचानते हैं । सामान्य सा दिखने वाला सफेद जीव (दीमक) लकड़ी को खा जाता है , किंतु कुर्सी का दीमक बड़ा ही ताकतवर , अलग - अलग कद - काठी का और वी आई पी श्रेणी का होता है । कुर्सी का दीमक पद , अहंकार और भ्रष्टाचार के लिबास के साथ जैसे ही कुर्सी पर विराजमान होता है , समाज को धीरे - धीरे खोखला करने लगता है ! प्रकृति में पैदा होने वाले कीट , दीमक की तरह कुर्सी का दीमक बाहर से नहीं आता । यह कुर्सी में ही पलता है । फाइलों में पनपता है । योजनाओं को खाता है और चाटुकारों को पालता है !

कुर्सी और दीमक का रिश्ता बहुत पुराना और प्रगाढ़ है । कुर्सी में बैठने से पहले वह आम आदमी बड़ा ही सरल और ईमानदारी के मामले में राजा हरिश्चंद्र का वंशज लगता है । जैसे ही उसे कुर्सी मिलती है , अचानक उसकी रीढ़ की हड्डी सीधी हो जाती है ! वह झुकता तो है , किंतु अपने स्वार्थ के लिए । वह चापलूसी में बड़ा माहिर होता है ! यहीं से शुरू होती है कुर्सी के दीमक की 56 भोग वाली दावती यात्रा ! कुर्सी रूपी दीमक धीरे - धीरे उस पर बैठे व्यक्ति के फैसलों , उसकी नैतिकता और उसकी इंसानियत को चट करना शुरू कर देती है ! कुर्सी की मदहोशी में डूबा वह ताकतवर अधिकारी यह गलत फहमी पाल बैठता है कि वह बहुत मजबूत स्थिति में है । इस बात को दीमक भी जानता है कि यदि उसने कुर्सी को पूरी तरह से खोखला कर दिया तो उसका अपना अस्तित्व भी खतरे में पड़ जाएगा । इसलिए वह कुर्सी के बाहरी आवरण को चमचमा ही रहने देता है ! जो अधिकारी कुर्सी की इस दीमक को पहचान लेता है वह समय रहते इसका इलाज भी ढूंढ लेता है और वही बड़ा बाजीगर कहलाता है । दूसरी ओर इस पर विराजमान व्यक्ति ने यदि इन्हें नहीं पहचाना तो इतिहास गवाह है कि आलीशान कुर्सियां दीमकों द्वारा ताश के पत्तों की तरह ढहा दी जाती हैं ! ऐसी कुर्सी की माया ही निराली है । लकड़ी का दीमक तो सिर्फ फर्नीचर को बर्बाद करता है , किंतु कुर्सी का दीमक देश के सिस्टम को ही चट कर जाता है !

भारतवर्ष की राजनीति में विचारधाराओं की स्पष्ट लड़ाई नजर आ रही है । एक तरफ उन लोगों का झुंड है जिन्होंने दशकों तक सत्ता का सुख भोगा , किंतु देश की जड़ों को भ्रष्टाचार , तुष्टिकरण और परिवारवाद रूपी दीमक के सहारे खोखला करने में कोई कसर नहीं छोड़ी ! दूसरी तरफ ऐसे लोगों का संगठन दीमकों को खत्म करने की दवाई के रूप में काम कर रहा है , जिससे इन दीमकों को लोकतंत्र के भवन में सेंध लगाने का अवसर ही न मिल पाए । राजनीति के मैदान में हम इसे सत्ता की लड़ाई नहीं मानते बल्कि स्वर्णिम भारत के निर्माण में दशकों से लगे दीमकों को खत्म करने की बड़ी चुनौती के रूप में देखते हैं । एक ओर विनाशकारी ÷ दीमक ÷ वाली राजनीति पुनः सत्ता के गलियारे से लोकतंत्र के मंदिर में घुसना चाहती है , तो दूसरी ओर देश को विकासशील से विकसित देशों की श्रेणी में स्थान दिलाने वाली ÷ इलाज ÷ रूपी राजनीति इन्हें लोकतंत्र के मंदिर को चट करने से रोकने प्रतिबद्ध है । हम सब यह जानते हैं कि दीमक कभी भी सामने आकर वार नहीं करती ! वह भीतर ही भीतर दीवार अथवा फर्नीचर को खाती रहती है ! हमारे देश की राजनीति भी कुछ ऐसी ही है । कुछ लोग सीधे तौर पर विकास का मार्ग नहीं रोकते । धीरे - धीरे योजनाओं और सिस्टम की नींव को खोखला करते रहते हैं ! जब हमें इनकी करतूत का आभास होता है तब तक बहुत देर हो चुकी होती है ! बाहर से मजबूत दिखने वाली इमारत अंदर से खोखली हो चुकी होती है !

दीमक हमेशा अंधेरे और नमीं वाली जगहों पर अपना आशियाना बनाती है । राजनीति में दीमक रूपी भ्रष्टाचार हमेशा फाइलों के भीतर , फाइलों की लालफीताशाही और गुप्त सौदों की नमीं में ही तेजी के साथ फलती - फूलती है ! सत्ता का सुख भोगने के बाद उसके रस में डूबे नेता दीमक की तरह कुर्सी से ऐसे चिपक जाते हैं , कि उन्हें वहां से निकालना लगभग असंभव हो जाता है ! कुर्सी चाहे कितनी भी पुरानी हो या जर्जर ही क्यों न हो , वे उसे छोड़ने के बजाए उसीको अपना घर बना लेते हैं ! लकड़ी का रंग कुछ भी हो । दीमक का रंग एक ही होता है । राजनीतिक दीमक का कोई रंग - रूप , जाति या धर्म नहीं होता ! वे जब तक विपक्ष में होते हैं , अलग तरह की बात करते हैं लेकिन सत्ता में आते ही उनकी कार्यप्रणाली पूरी तरह उसी दीमक के समान हो जाती है , जिससे हम और आप अपने घरों के फर्नीचर को बचाने का प्रयत्न करते रहते हैं ! आज भारतवर्ष का लोकतंत्र ठीक इसी खतरे के सामने खड़ा है । लोकतंत्र की जड़ों को खोखला करने के प्रयास में अलग - अलग जमीन के दीमक एक होने की जुगाड़ में हैं ताकि लोकतंत्र के मंदिर में घुसकर उसे चट कर सकें ! दीमक तभी अपने उद्देश्य में सफल होती है जब घर का मालिक अनजान या उदासीन हो । हम आज ऐसी ही कठिनाई से गुजर रहे हैं । देश की जनता चुपचाप अन्याय को सह रही है । विपक्ष पूरी तरह बिखरा हुआ है । अभी समय है यह देखने का कि हमारे अपने घर की खिड़की धीरे - धीरे क्यों बंद हो रही है ? जरूरत इस बात की है कि हम राजनीति के मैदान में यहाँ - वहाँ घुसे दीमकों को पहचान सकें और उन्हें अपने सिस्टम में घुसने से रोक सकें । अन्यथा इमारत तो बाहर से खूबसूरत और मजबूत दिखाई देती रहेगी , किंतु अंदर ही अंदर दीमक उसे खोखला करती रहेगी !

तमनार पुलिस ने उठाईगिरी के फरार मास्टरमाइंड हरि उर्फ विशाल नट को किया गिरफ्तार

आरोपी विशाल नट ने साथी धर्मेन्द्र के साथ अपेक्स बैंक और बाजारपारा में दो वारदातों को दिया था अंजाम साथी धर्मेन्द्र नट पहले ही गिरफ्तार, दो अपाचे बाइक और वारदात में प्रयुक्त औजार हो चुके हैं बरामद

रायगढ़/मूक पत्रिका

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शशि मोहन सिंह के निर्देशन में थाना तमनार पुलिस ने बैंक एवं सार्वजनिक स्थानों पर लगातार उठाईगिरी की वारदातों को अंजाम देने वाले गिरोह के फरार मास्टरमाइंड हरि उर्फ विशाल नट को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है। आरोपी ने अपने साथी धर्मेन्द्र नट उर्फ धर्मेन्द्र मीणा के साथ मिलकर तीन अलग-अलग वारदातों में कुल ?2 लाख 44 हजार रुपये की उठाईगिरी की थी। आरोपी वर्तमान में जिला जेल बैकुंठपुर में निरुद्ध

था, जिसे माननीय न्यायालय से प्रोडक्शन वारंट प्राप्त कर गिरफ्तार किया गया। पहली घटना ङ्क दिनांक 09 अप्रैल 2026 की है, जब ग्राम झरना निवासी गोसाई राम राठिया अपनी बहन के साथ अपेक्स बैंक से ?20,000 निकालकर बाजारपारा पहुंचे थे। होटल में नाश्ता करने के दौरान मोटरसाइकिल के हैंडल में टंगे थैले से अज्ञात आरोपी नकदी, पासबुक एवं एटीएम कार्ड लेकर फरार हो गए। इस संबंध में थाना तमनार में अपराध क्रमांक 68/2026 धारा 303(2) बीएनएस के तहत अपराध दर्ज किया गया। दूसरी घटना ङ्क दिनांक 14 मई 2026 की है, जब ग्राम सराईपाली निवासी रहंसराम खम्हारे (65 वर्ष) अपेक्स बैंक तमनार से ?24,000 निकालकर सार्वजनिक यात्री प्रतीक्षालय में बस का इंतजार कर रहे थे। इसी दौरान उन्हें झपकी लग गई और उनके पास रखा पीले रंग का थैला, जिसमें नकदी, पासबुक एवं आधार कार्ड रखा था, अज्ञात आरोपी चोरी कर ले गए। इस संबंध में थाना तमनार में अपराध क्रमांक 97/2026 धारा 303(2) बीएनएस के तहत अपराध दर्ज किया गया। तीसरी घटना ङ्क दिनांक 08 जून 2026 को हुई, जब ग्राम गौरबहरी निवासी लोकेश्वर पटेल अपेक्स बैंक तमनार से ?2 लाख निकालकर मोटरसाइकिल की डिक्की में रखकर तहसील कार्यालय गए थे। लौटने पर डिक्की टूटी मिली और पूरी राशि चोरी हो चुकी थी। इस मामले में थाना तमनार में अपराध क्रमांक 135/2026 धारा 303(2), 3(5) बीएनएस के तहत अपराध दर्ज किया गया। उठाईगिरी की घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शशि मोहन सिंह ने अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अनिल सोनी एवं एसडीओपी धरमजयगढ़ सिद्धांत तिवारी के पर्यवेक्षण में थाना प्रभारी निरीक्षक प्रशांत राव के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की। पुलिस ने अपेक्स बैंक एवं आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज का सूक्ष्म विश्लेषण किया। तकनीकी एवं भौतिक साक्ष्यों के आधार पर संदेह विशाल उर्फ हरि नट एवं उसके साथी धर्मेन्द्र नट पर गया। पुलिस टीम ने लगातार पतासाजी करते हुए 19 जून 2026 को आरोपी धर्मेन्द्र नट को गिरफ्तार किया था। पूछताछ में उसने अपने साथी हरि उर्फ विशाल नट के साथ मिलकर तीनों घटनाओं को अंजाम देना स्वीकार किया। आरोपी की निशानदेही पर वारदात में प्रयुक्त टीवीएस अपाचे मोटरसाइकिल, चोरी की रकम से खरीदी गई दूसरी नई अपाचे मोटरसाइकिल तथा डिक्की तोड़ने में प्रयुक्त लोहे के औजार बरामद किए गए थे। विवेचनाक्रम में तमनार पुलिस ने मुख्य आरोपी हरि उर्फ विशाल नट जो जिला कोरिया के एक अन्य मामले में जिला जेल बैकुंठपुर में निरुद्ध है। माननीय न्यायालय से प्रोडक्शन वारंट प्राप्त कर आरोपी को पुलिस रिमांड पर थाना तमनार लाया गया। पूछताछ में उसने तीनों उठाईगिरी की वारदातों में अपनी संलिप्तता स्वीकार करते हुए बताया कि चोरी की रकम का अपने साथी के साथ बंटवारा कर अधिकांश पैसा जुआ खेलने एवं खाने-पीने में खर्च कर दिया।

रफ्तार का कहर : बंगुरसिया में ट्रेलर ने छीनी दो जिंदगियां, तीसरा युवक जिंदगी और मौत के बीच जूझ रहा

रायगढ़/मूक पत्रिका

रविवार की सुबह जहां आमतौर पर सड़कों पर हलचल धीरे-धीरे बढ़ती है, वहीं चक्रधर नगर थाना क्षेत्र के बंगुरसिया गांव स्थित माँ बंजारी मंदिर टर्निंग पॉइंट के पास एक दर्दनाक सड़क हादसे ने सन्नाटा और शोक की गहरी लकीर खींच दी। तेज रफ्तार और लापरवाही ने एक ही झटके में दो घरों के चिराग बुझा दिए, जबकि तीसरा युवक जिंदगी की जंग लड़ रहा है। घटना सुबह लगभग 10:45 बजे की बताई जा रही है। तमनार क्षेत्र के ग्राम महलोई निवासी तीन युवक बाइक से किसी जरूरी काम से रायगढ़ की ओर आ रहे थे। इसी दौरान बंगुरसिया के समीप एक तेज रफ्तार भारी वाहन ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक सवार 21 वर्षीय प्रकाश राठिया ने मौके पर ही दम तोड़ दिया।हादसे की सूचना मिलते ही चक्रधर नगर पुलिस मौके पर पहुंची और तत्काल राहत कार्य शुरू किया गया। गंभीर रूप से घायल दोनों युवकों को जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद एक अन्य युवक को मृत घोषित कर दिया। वहीं तीसरे युवक, 21 वर्षीय ज्ञानचंद मिर्धा की हालत नाजुक बनी हुई है, जिसे प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर किया गया है।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, भारी वाहन चालक तेज गति में था और उसने नियंत्रण खो दिया, जिससे यह हादसा हुआ। दुर्घटना के बाद चालक मौके से फरार हो गया। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।तीनों युवक एक ही गांव के रहने वाले थे और आपस में परिचित थे। अचानक हुए इस हादसे ने पूरे महलोई गांव को गहरे सदमे में डाल दिया है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है और गांव में मातम का माहौल पसरा हुआ है।

पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है। साथ ही फरार वाहन चालक की तलाश भी की जा रही है। यह हादसा एक बार फिर यह सवाल खड़ा करता है कि आखिर सड़कों पर बेलगाम रफ्तार पर लगाम कब लगेगी।

सहारा इंडिया के निवेशकों ने कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन, फरार मैनेजरों की गिरफ्तारी और संपत्ति कुर्की की मांग

रायगढ़/मूक पत्रिका

सहारा इंडिया में पैसा फंसने से परेशान निवेशकों ने मंगलवार को तहसीलदार रायगढ़ को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन जिलाध्यक्ष रायगढ़ के नाम दिया गया है। निवेशकों का कहना है कि रायगढ़ जिले में गरीब से लेकर धनाढ्य लोगों के करोड़ों रुपये सहारा इंडिया में जमा हैं, जो वापस नहीं हो रहे हैं। ज्ञापन में निवेशकों ने 5 प्रमुख मांगें रखी है जिसमें फरार चल रहे 22 आरोपी मैनेजरों को तुरंत गिरफ्तार किया जाए। सभी आरोपियों की बकाया संपत्तियों को चिन्हित कर कुर्क कर कलेक्टर न्यायालय में जमा किया जाए। मैनेजर ओमप्रकाश शर्मा और उनकी पत्नी सुमन शर्मा के बैंक एकाउंट को फ्रीज कर अनफ्रीज करने

वाले अधिकारियों पर अपराधिक प्रकरण दर्ज हो। ओम प्रकाश शर्मा और उसके परिवार की कुर्क हुई संपत्ति से प्राप्त राशि कलेक्टर न्यायालय में जमा हो। बचे हुए सभी मैनेजरों की संपत्ति चिन्हित कर कुर्की की जाए। ज्ञापन सौंपने वालों में रविशंकर दुबे, कैलाश अग्रवाल, धनजीराम और नरेश कंकरवाल इत्यादि शामिल रहे। निवेशकों का कहना है कि जब तक दोषियों पर सख्त कार्रवाई नहीं होती और पैसा वापस नहीं होता, आंदोलन जारी रहेगा।

जानलेवा गड्ढों से रोज गुजर रहे हजारों वाहन जिम्मेदारों को नहीं ध्यान, जिम्मेदारों को नहीं ध्यान

सीएमओ तिराहा बना हादसों का हॉटस्पॉट, बढ़ा हादसे का खतरा

रायगढ़/मूक पत्रिका

शहर के ढिमरापुर-जिंदल मार्ग स्थित सीएमओ तिराहा इन दिनों बदहाल सड़क और बड़े-बड़े गड्ढों के कारण दुर्घटनाओं का केंद्र बनता जा रहा है। तिराहे के बीचों-बीच बने गहरे गड्ढों में पानी भर जाने से उनकी गहराई का अंदाजा लगाना मुश्किल हो जाता है, जिससे हर समय हादसे की आशंका बनी रहती है। गौरतलब हो कि लगातार भारी वाहनों की आवाजाही के कारण सी एम ओ तिराहा चौक में सड़क के बीचों-बीच विशाल गड्ढा बन गया है। तिराहा होने के कारण यहां वाहनों का दबाव लगातार बना रहता है। औद्योगिक क्षेत्र से जुड़े इस मार्ग से प्रतिदिन सैकड़ों की संख्या में भारी वाहन, ट्रेलर, बसें और मालवाहक ट्रक गुजरते हैं। भारी वाहनों के लगातार दबाव के चलते सड़क की परत उखड़ चुकी है और गड्ढे दिन-ब-दिन बड़े होते जा रहे हैं।

सबसे अधिक परेशानी दुपहिया वाहन चालकों और पैदल राहगीरों को उठानी पड़ रही है। अचानक सामने आने वाले गड्ढों से बचने के प्रयास में बाइक सवार असंतुलित हो जाते हैं, जिससे दुर्घटना का खतरा बना रहता है। वहीं बारिश या गड्ढों में भरे पानी के कारण स्थिति और भी गंभीर हो जाती है। लोगों कि माने तो इस मार्ग की खराब स्थिति लंबे समय से बनी हुई है, लेकिन अब तक संबंधित विभाग द्वारा स्थायी मरम्मत नहीं कराई गई है। कई बार शिकायत किए जाने के बावजूद केवल अस्थायी पैचवर्क कर औपचारिकता निभा दी जाती है, जो कुछ ही दिनों में फिर उखड़ जाता है।

जिम्मेदारों को नहीं ध्यान

शहर के व्यस्ततम और औद्योगिक क्षेत्र से जुड़े सीएमओ तिराहा की बदहाल सड़क लंबे समय से मरम्मत की बाट जोह रही है। सड़क पर बने जानलेवा गड्ढों से रोजाना हजारों वाहन गुजरते हैं, लेकिन जिम्मेदार विभाग की ओर से अब तक कोई ठोस पहल नहीं की गई है। अस्थायी मरम्मत के कारण समस्या बार-बार सामने आ रही है। लोगों का कहना है कि प्रशासन किसी बड़ी दुर्घटना का इंतजार कर रहा है।संभवतः जिसके बाद अपनी चिरनिंद्रा से जाग सके।

रायगढ़ में आशीर्वाद मेडिकल स्टोर में चोरी का 24 घंटे में खुलासा, दो नाबालिगों सहित चार आरोपी पुलिस की गिरफ्त में, चोरी की रकम बरामद

रायगढ़/मूक पत्रिका

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शशि मोहन सिंह के दिशा-निर्देशन एवं एडिशनल एसपी अनिल सोनी के मार्गदर्शन पर थाना चक्रधरनगर पुलिस ने आशीर्वाद मेडिकल स्टोर में हुई चोरी की घटना का 24 घंटे के भीतर खुलासा करते हुए दो विधि से संघर्षरत बालकों को हिरासत में लेकर उनके कब्जे से चोरी की रकम बरामद की है। दोनों अपचारी बालकों को विधिसम्मत कार्रवाई के बाद किशोर न्याय बोर्ड, रायगढ़ के समक्ष प्रस्तुत कर बाल संप्रेक्षण गृह भेजा गया है। प्रकरण में प्रार्थी रतन मित्रा (67 वर्ष), निवासी बोईरदादर, रायगढ़ की रिपोर्ट पर थाना चक्रधरनगर में अपराध क्रमांक 332/2026 धारा 331(4), 305(क), 3(5) भारतीय न्याय संहिता के तहत अज्ञात आरोपियों के विरुद्ध अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना प्रारंभ की गई। घटना की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शशि मोहन सिंह के मार्गदर्शन में नगर पुलिस अधीक्षक मयंक मिश्रा के सुपरविजन में तत्काल चक्रधरनगर टीआई राकेश मिश्रा ने तत्काल घटनास्थल एवं आसपास के सीसीटीवी फुटेज का सूक्ष्म विश्लेषण किया

तथा तकनीकी एवं मुखबिर सूचना के आधार पर दो विधि से संघर्षरत बालकों को हिरासत में लिया।

पूछताछ में दोनों ने अपने दो अन्य साथियों के साथ 03 जुलाई 2026 की दरम्यानी रात आशीर्वाद मेडिकल स्टोर का ताला तोड़कर दुकान में प्रवेश करना तथा गल्ले में रखी ?4,000 की नकदी चोरी करना स्वीकार किया। पूछताछ में उन्होंने बताया कि चोरी की रकम चारों ने आपस में एक-एक हजार रुपये बांट ली थी। पूछताछ के दौरान यह भी जानकारी मिली कि चोरी के बाद तीन दोस्त ॥स्न डीलक्स मोटरसाइकिल (ष्टत्र-13 ,क्क4953) से जामगांव की ओर घूमने निकले थे। रास्ते में तेज एवं लापरवाहीपूर्वक वाहन चलाने के कारण मोटरसाइकिल दुर्घटनाग्रस्त हो गई, जिसमें तीनों को चोटें आईं। इनमें दो आरोपी वर्तमान में अस्पताल में उपचाररत हैं, जबकि हिरासत में लिए गए एक अपचारी बालकों को सामान्य चोटें आई थीं। पुलिस ने दोनों विधि से संघर्षरत बालकों के कब्जे से चोरी की बंटवारे की एक-एक हजार रुपये की नगदी बरामद की। आवश्यक वैधानिक प्रक्रिया एवं परिजनों को सूचना देने के बाद दिनांक 05 जुलाई 2026 को दोनों अपचारी बालकों को किशोर न्याय बोर्ड, रायगढ़ के समक्ष प्रस्तुत किया गया, जहां से उन्हें बाल संप्रेक्षण गृह भेज दिया गया है।

तहसील कार्यालय से भू-अर्जन की मूल नस्ती गायब, FIR दर्ज- 22 साल पुराने प्रकरण के दस्तावेज नहीं मिलने से मचा हड़कंप

रायगढ़/मूक पत्रिका

जिले के तहसील कार्यालय से एक गंभीर लापरवाही और संदिग्ध दस्तावेज गायब होने का मामला सामने आया है। कोसा भवन निर्माण के लिए अधिग्रहित भूमि से जुड़ी 22 साल पुरानी भू-अर्जन प्रकरण की मूल नस्ती (फाइल) रहस्यमय तरीके से गायब हो गई है। मामले के सामने आने के बाद प्रशासनिक महकमे में हड़कंप मच गया है।

मिली जानकारी के अनुसार, तहसीलदार रायगढ़ शिव कुमार डनसेना ने थाना चक्रधरनगर में लिखित आवेदन देकर बताया है कि ग्राम बैकुण्ठपुर की निजी भूमि अधिग्रहण से संबंधित भू-अर्जन प्रकरण क्रमांक 22/अ-82/1991-92 का मूल दस्तावेज जनवरी 2026 से लगातार खोजबीन के बावजूद नहीं मिल पाया है। बताया गया कि यह प्रकरण लोक निर्माण विभाग लोक निर्माण विभाग के लिए कोसा भवन निर्माण से जुड़ा हुआ है, जिसका अवार्ड 8 जुलाई 2004 को विधिवत पारित किया गया था। हाल ही में न्यायालयीन और कार्यालयीन कार्यों के लिए जब मूल फाइल की आवश्यकता पड़ी, तब अभिलेखागार में दस्तावेज तलाशे गए, लेकिन

पूरी नस्ती गायब मिली।तहसील कार्यालय और अनुविभागीय अधिकारी भू-अर्जन शाखा के सभी रिकॉर्ड रूम और अन्य स्थानों पर सूक्ष्म जांच की गई, लेकिन दस्तावेज का कोई पता नहीं चल सका। इससे आशंका जताई जा रही है कि मूल प्रकरण की चोरी हुई है।मामले की गंभीरता को देखते हुए तहसीलदार ने थाना प्रभारी चक्रधरनगर को पत्र क्रमांक 1634/तह./2026, 03 जुलाई के माध्यम से स्नढ्ढक्र दर्ज करने का अनुरोध किया है। पुलिस ने आवेदन के आधार पर धारा 305(ड्ढ) क्चहृस् के तहत अज्ञात आरोपी के खिलाफ अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है अब सवाल यह उठ रहा है कि इतने महत्वपूर्ण सरकारी दस्तावेज आखिर कैसे गायब हो गए? क्या यह महज लापरवाही है या इसके पीछे कोई सुनियोजित साजिश? पुलिस जांच के बाद ही पूरे मामले का खुलासा हो सकेगा(

अधिकारी से संपर्क का प्रयास, नहीं मिला पक्ष

मूसलाधार बारिश ने खोली सरकारी स्कूलों की बदहाली, टीटहीपाली प्राथमिक शाला में भरा पानी

बरमकेला/मूक पत्रिका

सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश ने एक बार फिर सरकारी विद्यालयों की बदहाल व्यवस्था की पोल खोलकर रख दी है। बरमकेला विकासखंड अंतर्गत ग्राम टीटहीपाली स्थित शासकीय प्राथमिक शाला में सोमवार को हुई तेज बारिश के कारण विद्यालय परिसर में भारी जलभराव हो गया। छत से लगातार पानी टपकने लगा और कुछ ही देर में कक्षाएं तथा बरामदा पानी से भर गए। हालात इतने खराब हो गए कि विद्यार्थियों की सुरक्षा को देखते हुए विद्यालय प्रबंधन को समय से पहले छुट्टी घोषित करनी पड़ी। बारिश शुरू होते ही विद्यालय भवन की छत कई स्थानों से टपकने लगी। छत से गिरता पानी सीधे कक्षाओं में भरने लगा, जिससे बच्चों के बैठने की जगह पूरी तरह भीग गई। फर्श पर पानी भर जाने से पढ़ाई जारी रखना संभव नहीं रहा। छोटे-छोटे बच्चों को इस स्थिति में विद्यालय में

रखना जोखिमपूर्ण माना गया, जिसके बाद उन्हें सुरक्षित घर भेजने का निर्णय लिया गया। विद्यालय परिसर में पानी भर जाने के बाद शिक्षक, कर्मचारी तथा कुछ ग्रामीण बाल्टियों की सहायता से पानी बाहर निकालने में जुटे रहे। काफी देर तक पानी निकालने का प्रयास किया गया, लेकिन लगातार हो रही बारिश के कारण स्थिति सामान्य नहीं हो सकी। विद्यालय से सामने आए दृश्य यह बताने के लिए पर्याप्त हैं कि भवन की हालत कितनी खराब हो चुकी है। सबसे अधिक चिंता की बात यह है कि विद्यालय भवन पहले से ही जर्जर अवस्था में है। भवन की दीवारों और छत पर कई स्थानों पर दरारें दिखाई दे रही हैं। बारिश के दौरान इन्हीं दरारों और छत से लगातार पानी रिसता रहा। ऐसी स्थिति में किसी भी समय छत या दीवार का हिस्सा गिरने जैसी दुर्घटना से इनकार नहीं किया जा सकता। यदि विद्यालय में बच्चों की उपस्थिति के दौरान कोई हादसा हो जाए तो उसके लिए जिम्मेदार कौन होगा, यह बड़ा सवाल है। ग्रामीणों और अभिभावकों का कहना है कि विद्यालय भवन की खराब स्थिति कोई नई समस्या नहीं है। कई बार संबंधित विभाग को इसकी जानकारी दी जा चुकी है, लेकिन अब तक स्थायी समाधान नहीं किया गया। हर वर्ष बारिश के मौसम में बच्चों की पढ़ाई प्रभावित होती है और उनकी सुरक्षा भी भगवान भरोसे छोड़ दी जाती है। टीटहीपाली की यह घटना केवल एक विद्यालय की समस्या नहीं है, बल्कि पूरे बरमकेला विकासखंड की शिक्षा व्यवस्था की वास्तविक तस्वीर सामने लाती है। जानकारी के अनुसार विकासखंड में 43 ऐसे शासकीय विद्यालय हैं जो या तो भवनविहीन हैं अथवा जर्जर भवनों में संचालित हो रहे हैं और नए भवन की आवश्यकता है। ऐसे विद्यालयों में पढ़ने वाले सैकड़ों विद्यार्थियों का भविष्य और सुरक्षा दोनों चिंता का विषय बने हुए हैं। सरकार शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने और विद्यालयों में मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के बड़े-बड़े दावे करती है, लेकिन जमीनी स्तर पर कई विद्यालय आज भी सुरक्षित भवन जैसी सबसे बुनियादी सुविधा से वंचित हैं। जब विद्यालयों की छतें टपक रही हों, कक्षाओं में पानी भर रहा हो और दीवारों में दरारें हों, तब गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की कल्पना करना भी कठिन हो जाता है।

अधिकारी से संपर्क का प्रयास, नहीं मिला पक्ष

इस संबंध में बरमकेला के विकासखंड शिक्षा अधिकारी मुकेश कुर्रे से दूरभाष के माध्यम से उनका पक्ष जानने का प्रयास किया गया। उनके मोबाइल नंबर पर कई बार कॉल किया गया, लेकिन फोन की घंटी बजने के बावजूद संपर्क नहीं हो सका और उनकी ओर से कोई प्रतिक्रिया प्राप्त नहीं हुई। टीटहीपाली विद्यालय की घटना और विकासखंड के 43 भवनविहीन एवं जर्जर विद्यालयों की स्थिति को लेकर स्थानीय लोगों और अभिभावकों में गहरी चिंता है। उनका कहना है कि यदि जिम्मेदार विभाग समय रहते इन विद्यालयों की स्थिति सुधारने के लिए ठोस कदम नहीं उठाता, तो इसका सीधा असर बच्चों की शिक्षा और उनकी सुरक्षा पर पड़ेगा। लोगों ने मांग की है कि टीटहीपाली सहित सभी जर्जर विद्यालयों का तत्काल सर्वे कराया जाए, आवश्यक बजट स्वीकृत किया जाए और नए भवनों का निर्माण प्राथमिकता के आधार पर कराया जाए, ताकि हर बारिश के साथ बच्चों का भविष्य और उनकी जान जोखिम में न पड़े।

÷लगातार बारिश ने शिक्षा विभाग की पोल खोल दी है। टीटहीपाली प्राथमिक शाला में पानी भरने से छुट्टी करनी पड़ी। जर्जर भवन और जगह-जगह दरारें बच्चों की सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा हैं। बरमकेला के भवनविहीन और जर्जर विद्यालयों की ओर तत्काल ध्यान देकर नए भवनों का निर्माण कराया जाना चाहिए।÷

भूपेंद्र साहू,
एनएसयूआई विधानसभा
उपाध्यक्ष, सारंगढ़

रायगढ़ में फ्लाई ऐश डंपिंग पर गंभीर सवाल : बरपाली-गदगांव क्षेत्र में पर्यावरण और जनस्वास्थ्य पर मंडराता खतरा

तमनार/रायगढ़/मूक पत्रिका

रायगढ़ जिले के तमनार क्षेत्र अंतर्गत बरपाली और गदगांव के बीच बहने वाले एक प्राकृतिक नाले में कथित तौर पर फ्लाई ऐश (राख) के बड़े पैमाने पर डंपिंग का मामला सामने आया है। स्थानीय ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि औद्योगिक इकाइयों और एक ठेकेदार की मिलीभगत से जलस्रोत को पाटकर उसमें औद्योगिक अपशिष्ट डाला जा रहा है, जिससे पर्यावरण और जनस्वास्थ्य पर गंभीर खतरा उत्पन्न हो गया है। ग्रामीणों के अनुसार, यह नाला कभी आसपास के गांवों की जीवनरेखा था और पशुओं व कृषि कार्यों के लिए उपयोग में लाया जाता था। लेकिन पिछले कुछ समय से इसमें राख डंप होने के कारण पानी का रंग और गुणवत्ता पूरी तरह बदल चुकी है। लोगों का कहना है कि अब यह पानी उपयोग के लायक नहीं रह गया है और इससे बदबू भी आने लगी है।

नियमों के पालन पर उठे सवाल

मामले में यह आरोप भी लगाए जा रहे हैं कि फ्लाई ऐश के निपटान के लिए निर्धारित पर्यावरणीय मानकों का पालन नहीं किया गया। विशेषज्ञों के अनुसार, फ्लाई ऐश का वैज्ञानिक तरीके से निपटान अनिवार्य होता है, अन्यथा यह मिट्टी, पानी और हवा—तीनों को प्रदूषित कर सकता है। यदि आरोप सही पाए जाते हैं, तो यह पर्यावरण संरक्षण नियमों का उल्लंघन माना जाएगा।

स्थानीय स्तर पर मिलीभगत के आरोप

ग्रामीणों ने पंचायत प्रतिनिधियों पर भी सवाल उठाए हैं। उनका आरोप है कि बिना पर्याप्त जांच के कथित रूप से इस कार्य के लिए अनापत्ति प्रमाण पत्र (हह्ष्ट) जारी किया गया। हालांकि, इस संबंध में पंचायत या संबंधित अधिकारियों की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई

प्रशासन और विभागों की भूमिका पर नजर

पर्यावरण और वन विभाग की कार्यप्रणाली को लेकर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि शिकायतों के बावजूद ठोस कार्रवाई नहीं हुई। बताया जा रहा है कि पूर्व में एक आर्थिक दंड लगाया गया था, लेकिन उससे स्थिति में कोई ठोस सुधार नहीं हुआ।

स्वास्थ्य पर संभावित असर

स्थानीय लोगों को आशंका है कि यदि समय रहते स्थिति पर नियंत्रण नहीं किया गया, तो क्षेत्र में जलजनित बीमारियों, त्वचा रोगों और श्वसन संबंधी समस्याओं का खतरा बढ़ सकता है। पशुधन पर भी इसका असर पड़ने की आशंका जताई जा रही

जांच और कार्रवाई की मांग

ग्रामीणों ने इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है कि जलस्रोत को पूर्व स्थिति में बहाल किया जाए और भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए सख्त निगरानी तंत्र विकसित किया जाए।

फिलहाल प्रशासन की ओर से आधिकारिक पुष्टि और जांच रिपोर्ट का इंतजार है। यदि आरोप सही साबित होते हैं, तो यह मामला न केवल पर्यावरणीय लापरवाही बल्कि जनहित से जुड़े गंभीर प्रश्न भी खड़ा करेगा।

स्कूलों का औचक निरीक्षण : डीईओ ने परखी शिक्षा व्यवस्था, तीन दिन में शत-प्रतिशत उपस्थिति के दिए निर्देश

बीजापुर/मूक पत्रिका

आशीष पदमवार। जिले के स्कूलों में शिक्षा व्यवस्था को लेकर जिला शिक्षा अधिकारी राजेश पांडे ने सख्ती दिखाई है। शनिवार को उन्होंने संकुल केंद्र दुगोली और नैमेड़ के विभिन्न विद्यालयों का औचक निरीक्षण कर शैक्षणिक गतिविधियों, विद्यार्थियों की उपस्थिति और मूलभूत व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान कई बिंदुओं पर सुधार के निर्देश भी दिए। निरीक्षण के दौरान डीईओ ने शिक्षकों की वीएसके ऐप के माध्यम से दर्ज उपस्थिति, विद्यार्थियों की उपस्थिति, गणवेश और पाठ्यपुस्तकों के वितरण, मध्यान्ह भोजन व्यवस्था, कक्षाओं की साफ-सफाई तथा शौचालयों की स्थिति का अवलोकन किया। उन्होंने व्यवस्थाओं में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं बरतने के निर्देश दिए। प्राथमिक एवं माध्यमिक शाला दुगोली में सभी कक्षाओं में बारहखड़ी और पहाड़ा चार्ट अनिवार्य रूप से लगाने के निर्देश दिए गए। वहीं कन्या पोर्टा केबिन और हाई स्कूल पोर्टा केबिन नैमेड़ में छात्रावास की व्यवस्थाओं का निरीक्षण कर सभी विद्यार्थियों के लिए मच्छरदानी उपलब्ध कराने और छात्रावास की व्यवस्था दुरुस्त रखने को कहा। जिला शिक्षा अधिकारी ने समय-विभाग चक्र के अनुसार नियमित अध्यापन, शिक्षक डायरी का संधारण और वीएसके ऐप में नियमित उपस्थिति दर्ज करने के निर्देश दिए। साथ ही संबंधित शिक्षकों को आगामी तीन दिनों के भीतर विद्यार्थियों की शत-प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक प्रयास करने को कहा।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने विभागीय निर्देशों के पालन पर भी जोर दिया। विद्यालयों में प्रतिदिन राष्ट्रगान, राष्ट्रगीत, सरस्वती वंदना, भोजन मंत्र, दीप मंत्र, गुरु मंत्र, गायत्री मंत्र और शांति मंत्र का सामूहिक गायन कराने तथा महापुरुषों की जीवनी का नियमित वाचन कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विद्यालयों में स्वच्छ, अनुशासित और गुणवत्तापूर्ण शैक्षणिक वातावरण बनाए रखना शिक्षकों की प्राथमिक जिम्मेदारी है।

विद्यालय प्रबंधन समिति का गठन, अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष का सर्वसम्मति से चयन

भाटापारा। शासकीय बहुउद्देशीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, भाटापारा में शासन के निर्देशानुसार विद्यालय प्रबंधन समिति के गठन की प्रक्रिया संपन्न की गई। प्रथम चरण में पालक बैठक आयोजित कर समिति के सदस्यों का सर्वसम्मति से चयन किया गया।

दूसरे चरण में विद्यालय प्रबंधन समिति की प्रथम बैठक में अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष का चयन किया गया। कार्यक्रम का संचालन एवं निर्देशन विद्यालय के व्याख्याता डी पी साहू द्वारा किया गया। बैठक में सर्वसम्मति से दीपक टिकरिहा को विद्यालय प्रबंधन समिति का अध्यक्ष तथा गायत्री ध्रुव को उपाध्यक्ष चुना गया। विद्यालय की प्राचार्य डॉ. अर्चना वर्मा समिति की सदस्य सचिव रहेंगी। इसके अलावा समिति में पार्षद सतीश साहू, पी. आर. शर्मा, के. लकड़ा, शिक्षाविद बी. शर्मा सहित अन्य सदस्यों को भी शामिल किया गया। बैठक में विद्यालय के समग्र विकास, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, विद्यार्थियों की नियमित उपस्थिति, स्वच्छ एवं सुरक्षित विद्यालय वातावरण तथा पालकों की सक्रिय सहभागिता पर चर्चा की गई। नवनिर्वाचित अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष ने विद्यालय के सर्वांगीण विकास में पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया। बैठक के अंत में सभी सदस्यों ने विद्यालय हित में मिलकर कार्य करने का संकल्प लिया।

रायगढ़ में गांजा तस्कर सक्रिय : जीआरपी की मुस्तैदी से 8 किलो गांजा के साथ पकड़ा गया आदतन अपराधी

रायगढ़/मूक पत्रिका

जिले की शासकीय रेलवे पुलिस (GRP) ने नशा तस्करों के खिलाफ एक बड़ी सफलता हासिल की है। रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर-2 से पुलिस ने एक युवक को 8.160 किलोग्राम गांजे के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपी इस खेप को ओडिशा से महाराष्ट्र ले जाने की फिराक में था।

क्या है पूरा मामला?- मिली जानकारी के अनुसार, जीआरपी को मुखबिर से सूचना मिली थी कि एक युवक संदिग्ध अवस्था में ट्रेन का इंतजार कर रहा है। त्वरित कार्रवाई करते हुए टीम ने घेराबंदी कर युवक को दबोच लिया। पकड़े गए आरोपी की पहचान ओडिशा के बनबहाल निवासी बिनोद बाघ (27) के रूप में हुई है। उसके पास से अकोला (महाराष्ट्र) का टिकट भी मिला है।

आदतन अपराधी है आरोपी- जीआरपी थाना प्रभारी बीआर बोर्झा ने बताया कि आरोपी पहले भी गांजा तस्करी के मामले में जेल जा चुका है। फिलहाल, एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आगे की जांच की जा रही है।

जीआरपी की कार्रवाई, गांजा तस्करी के आरोप में ओडिशा का युवक गिरफ्ताररायगढ़ रेलवे स्टेशन पर जीआरपी ने गांजा तस्कर को रंगे हाथों पकड़ा।आरोपीः बिनोद बाघ (27), निवासी बनबहाल, ओडिशा। जब्तीः 8.160 किलोग्राम गांजा (कीमत करीब 4 लाख रुपये)। गंतव्यः आरोपी ओडिशा से महाराष्ट्र (अकोला) गांजा ले जा रहा था। कार्रवाईः मुखबिर की सूचना पर प्लेटफॉर्म नंबर-2 से गिरफ्तारी। आरोपी का पूर्व में भी आपराधिक रिकॉर्ड रहा है। जीआरपी ने एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

ओडिशा से महाराष्ट्र गांजा तस्करी का प्रयास नाकामः रायगढ़ जीआरपी ने 4 लाख के गांजे के साथ तस्कर को दबोचा- अंतरराज्यीय गांजा तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत जीआरपी रायगढ़ ने एक बड़ी सफलता दर्ज की है। रविवार सुबह मिली गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने प्लेटफॉर्म-2 पर मौजूद एक युवक को पकड़ा, जिसके बैग से 8.160 किलोग्राम गांजा बरामद हुआ।

पहचान और मोडस ऑपरेंडी: आरोपी बिनोद बाघ, जो लाल टी-शर्ट और जींस में था, महाराष्ट्र जाने के लिए ट्रेन का इंतजार कर रहा था। जांच के दौरान उसके बैग से अकोला जाने वाली ट्रेन का टिकट भी मिला।

पुलिस के अनुसार, आरोपी पूर्व में भी इसी तरह के अपराधों में शामिल रहा है। थाना प्रभारी बीआर बोर्झा ने स्पष्ट किया है कि तस्करी के इस नेटवर्क को तोड़ने के लिए आरोपी से गहन पूछताछ की जा रही है ताकि गिरोह के अन्य सदस्यों का पता लगाया जा सके

भाटापारा में जनसुविधाओं को मिली नई सौगात 10 लाख से बनेगा आधुनिक मुक्ति धाम शेड

भाटापारा। नगर पालिका परिषद भाटापारा ने नागरिक सुविधाओं के विस्तार की दिशा में एक और महत्वपूर्ण पहल करते हुए नगर के शहीद वीर नारायण सिंह वार्ड एवं लाल बहादुर शास्त्री वार्ड स्थित मुक्ति धाम में लगभग 10 लाख की लागत से बनने वाले मुक्ति धाम शेड निर्माण कार्य का विधिवत भूमिपूजन एवं शुभारंभ किया। नगर पालिका अध्यक्ष अश्वनी शर्मा ने जनप्रतिनिधियों एवं नागरिकों की उपस्थिति में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच भूमि पूजन कर निर्माण कार्य की आधारशिला रखी। लंबे समय से क्षेत्रवासियों द्वारा मुक्ति धाम में शेड निर्माण की मांग की जा रही थी। अंतिम संस्कार के दौरान तेज धूप, वर्षा एवं प्रतिकूल मौसम में लोगों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ता था। अब इस निर्माण कार्य के पूर्ण होने के बाद नागरिकों को अंतिम संस्कार जैसे अत्यंत संवेदनशील अवसरों पर सुरक्षित, व्यवस्थित एवं सम्मानजनक वातावरण उपलब्ध हो सकेगा। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष अश्वनी शर्मा ने कहा, विकास का वास्तविक अर्थ केवल सड़क, नाली और भवन निर्माण नहीं है, बल्कि समाज की प्रत्येक आवश्यक सुविधा को संवेदनशीलता के साथ उपलब्ध कराना भी है। मुक्ति धाम ऐसा स्थान है जहाँ हर परिवार कभी न कभी पहुँचता है। ऐसे समय में लोगों को असुविधा नहीं, बल्कि सम्मान और सुविधा मिले, यही हमारी प्राथमिकता है। नगर पालिका जनभावनाओं के अनुरूप प्रत्येक वार्ड में आधारभूत सुविधाओं का विस्तार कर रही है और विकास की यह यात्रा निरंतर जारी रहेगी। उन्होंने आगे कहा कि हमारा प्रयास है कि भाटापारा नगर का प्रत्येक वार्ड मूलभूत सुविधाओं से सुसज्जित हो। जनहित के प्रत्येक कार्य को गुणवत्ता, पारदर्शिता और समयबद्धता के साथ पूरा करना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। आने वाले समय में भी नागरिकों की आवश्यकताओं के अनुरूप अनेक विकास कार्यों को गति दी जाएगी। कार्यक्रम के दौरान वार्ड पार्षद लक्ष्मीकांत टंडन के जन्मदिवस के अवसर पर आत्मीय माहौल में केक काटकर उनका जन्मदिन भी मनाया गया। नगर पालिका अध्यक्ष अश्वनी शर्मा सहित उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं नागरिकों ने उन्हें शुभकामनाएँ देते हुए स्वस्थ, सुखी एवं दीर्घायु जीवन की कामना की। भूमिपूजन समारोह में पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष डॉ.मोहन बांधे पिछड़ा वर्ग प्रदेश मंत्री आशीष जायसवाल सभापति गोविंद पटेल, सतीश तलरेजा, कुंज राम कोशले, सभापति प्रतिनिधि देवेंद्र साहू, दशरथ साहू पार्षद नंदकिशोर वैष्णव, लक्ष्मी कांत बंटी टंडन। प्रगतिशील सतनामी समाज के युवा शाखा अध्यक्ष माखन महिलाएंगे भाजपा के कार्यकर्ता अशोक साहू, मनीराम साहू, उत्तम साहू, शिव साहू, पुरुषोत्तम यदु मोहित ध्रुव, चंद्रकला साय, श्रवण साहू, खिलावन साहू, आनंद साहू, बिल्ला यादव, वार्ड के कार्यकर्ता साधराम ध्रुव, कुमार साहू, हरीश साहू, प्रदीप बंजारे, पुरुषोत्तम महिलांग, मनोज बंजारे, नरेंद्र बंजारे जितेंद्र, अमोल दास, चुम्मन, ध्रुव, बल्लू माण्डले, गौरीशंकर, खिलावन, जयंत, विनय, उत्तम, कुलेश्वर, राज, देवा, नैतिक, सूर्यांश, वार्ड वासी व बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में विकास कार्यों के प्रति नागरिकों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए नगर पालिका परिषद के जनहितकारी प्रयासों की सराहना की।

हरे-भरे शाल के जंगलों पर कुल्हाड़ी का वार, गर्डलिंग कर सुखाए जा रहे पेड़; ग्रामीणों ने उठाए सवाल

कोंडागांव/माकड़ी/मूक पत्रिका

(पवन कुमार नाग, जगदलपुर (बस्तर) - कोंडागांव जिले के माकड़ी विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत ओडारगांव के घने शाल वनों में कथित रूप से हरे-भरे पेड़ों को पहले गर्डलिंग (तने की चारों ओर की छाल हटाकर) सुखाने और बाद में काटने का मामला सामने आया है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि इस तरीके से बहुमूल्य शाल वृक्षों की अवैध कटाई की जा रही है, जिससे वन संपदा पर गंभीर संकट मंडरा रहा है। ग्रामीणों के अनुसार कई शाल वृक्षों के तनों की चारों ओर से छाल निकाल दी गई है। विशेषज्ञों के अनुसार गर्डलिंग से पेड़ों तक पोषक तत्वों का प्रवाह रुक जाता है, जिससे कुछ समय बाद वे सूख जाते हैं। इसके बाद सूखे पेड़ों को काटकर ले जाना आसान हो जाता है। यदि जांच में यह आरोप सही पाए जाते हैं, तो यह वन संरक्षण संबंधी कानूनों के गंभीर उल्लंघन का मामला हो सकता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस मुद्दे को पहले भी समाचारों के माध्यम से उठाया गया था, लेकिन प्रभावी कार्रवाई नहीं होने से अवैध कटाई का सिलसिला जारी है। ग्रामीणों का आरोप है कि कार्रवाई के अभाव में जिम्मेदारों की उदासीनता से वन माफियाओं के हौसले बुलंद हो रहे हैं। शाल के जंगल पर्यावरण संतुलन बनाए रखने, वर्षा चक्र को प्रभावित करने, भूजल संरक्षण, मिट्टी के कटाव को रोकने और वन्यजीवों के संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इसके अलावा स्थानीय आदिवासी और ग्रामीण समुदाय की आजीविका भी काफी हद तक इन वनों पर निर्भर है। ऐसे में जंगलों का लगातार विनाश पर्यावरण और भविष्य दोनों के लिए गंभीर चिंता का विषय है। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन और वन विभाग से मांग की है कि ओडारगांव के जंगलों का तत्काल निरीक्षण कराया जाए, गर्डलिंग और अवैध कटाई के आरोपों की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफकड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए। साथ ही वन क्षेत्रों की नियमित निगरानी बढ़ाकर बहुमूल्य वन संपदा की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए।

अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि यदि हरे-भरे शाल वृक्षों को पहले गर्डलिंग कर सुखाया जा रहा है और बाद में काटा जा रहा है, तो जिम्मेदार विभाग की निगरानी व्यवस्था आखिर कहाँ है? क्या समय रहते ठोस कार्रवाई कर इन जंगलों को बचाया जाएगा, या प्रकृति यूँ ही कुल्हाड़ियों के हवाले होती रहेगी?

चिता की राख को बहने पर प्रतिबंध, लेकिन यहां नदियों में बहता है जहर! फाइलों में 100 प्रतिशत निपटान

करोड़ों टन फ्लाई ऐश का खेल : कागजों में पर्यावरण सुरक्षित, जमीन पर राख का साम्राज्य; बरपाली नाला बना जहरीले कचरे का कॉरिडोर, केलो नदी तक पहुंच रहा प्रदूषण

रायगढ़/मूक पत्रिका

नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) नदियों को प्रदूषण से बचाने के लिए चिता की राख तक के विसर्जन पर सख्त आपत्ति जताता है, लेकिन रायगढ़ के औद्योगिक क्षेत्र में हर दिन एनजीटी की भावना और पर्यावरणीय नियमों की खुलेआम चिता जलाई जा रही है। करोड़ों टन फ्लाई ऐश पैदा करने वाले उद्योगों के बीच कागजों में 100 प्रतिशत निपटान के दावे किए जा रहे हैं, जबकि दूसरी ओर बरपाली नाला, बरदे नाला, केलो नदी और आसपास के जलस्रोतों तक फ्लाई ऐश पहुंचने के आरोप लगातार सामने आ रहे हैं। हाल ही में सामने आए वीडियो और स्थानीय लोगों के आरोपों ने एक बार फिर इस सवाल को जिंदा कर दिया है कि आखिर कागजों में निपटाई गई करोड़ों टन फ्लाई ऐश जमीन पर और नदियों में कैसे दिखाई दे रही है। अप्रैल 2024 से मार्च 2025 की फ्लाई ऐश उपयोगिता रिपोर्ट के अनुसार रायगढ़ जिले में स्थित ताप विद्युत संयंत्रों और उद्योगों से एक वर्ष में लगभग 1 करोड़ 97 लाख 18 हजार

330.69 मीट्रिक टन फ्लाई ऐश उत्पन्न हुई। रिपोर्ट में अधिकांश उद्योगों ने 99 से 100 प्रतिशत तक फ्लाई ऐश उपयोग का दावा किया है। सबसे अधिक उत्पादन जिंदल पावर तमनार, एनटीपीसी लारा, अडानी पावर, जिंदल स्टील एंड पावर, टीआरएन एनर्जी तथा सरडा एनर्जी सहित अन्य उद्योगों से हुआ। दस्तावेजों में दावा किया गया है कि फ्लाई ऐश का उपयोग सीमेंट संयंत्रों, ईंट निर्माण, खदान भराई, सड़क निर्माण और अन्य कार्यों में किया गया, लेकिन ग्रामीण क्षेत्रों की तस्वीरें और शिकायतें इन दावों से बिल्कुल उलट कहानी बयां कर रही हैं। बरपाली नाले का ताजा मामला पूरे जिले की पर्यावरणीय व्यवस्था पर बड़ा सवाल बनकर सामने आया है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि नाले के दोनों किनारों को फ्लाई ऐश से पाट दिया गया, जिससे बरसात के दौरान राख पानी के साथ बहकर सीधे केलो नदी की ओर जा रही है। यह केवल एक नाले का मामला नहीं बल्कि पूरे जलग्रहण क्षेत्र के लिए गंभीर खतरे का संकेत है। यदि फ्लाई ऐश का यह बहाव लगातार जारी रहता है तो इसका असर भूजल, सिंचाई, पेयजल और जलीय जैव विविधता पर भी पड़ सकता है। ग्रामीणों का आरोप है कि इस बार नाले में डंप किया गया फ्लाई ऐश रूपनाधाम और नवदुर्गा प्लांट से जुड़ा है तथा परिवहन का कार्य एक निजी ट्रांसपोर्ट फर्म द्वारा कराया गया। इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि होना अभी शेष है, लेकिन यदि जांच में यह सही पाया जाता है तो यह केवल पर्यावरणीय लापरवाही नहीं बल्कि जलस्रोतों के साथ सुनियोजित खिलवाड़ माना जाएगा। प्रशासन और संबंधित एजेंसियों के लिए यह मामला निष्पक्ष जांच की कसौटी बन गया है। इस पूरे घटनाक्रम का सबसे चौंकाने वाला पहलू यह बताया जा रहा है कि लगभग आठ महीने पहले भी इसी नाले में फ्लाई ऐश डंपिंग की शिकायत हुई थी। आरोप है कि उस समय संबंधित विभागों ने स्थायी समाधान के बजाय राख के ऊपर केवल मिट्टी डलवाकर मामले को शांत कर दिया और सीमित कार्रवाई के बाद फाइल बंद कर दी गई। अब बरसात ने मिट्टी की परत बहा दी है और वही फ्लाई ऐश फिर से खुलेआम बहती दिखाई दे रही है। यदि यह तथ्य जांच में सही पाया जाता है तो यह केवल लापरवाही नहीं बल्कि पर्यावरण संरक्षण व्यवस्था की गंभीर विफलता मानी जाएगी। रायगढ़ के गेरवानी, सरायपाली, तमनार, घरघोड़ा रोड और औद्योगिक क्षेत्रों में फ्लाई ऐश परिवहन आज एक बड़े कारोबार का रूप ले चुका है। ग्रामीणों का कहना है कि खुले वाहनों से उड़ती राख खेतों, घरों, तालाबों और पेड़ों तक पहुंच रही है। कई गांवों में लोगों को कपड़े सुखाने तक में परेशानी होती है और फसलों पर राख की परत जमना आम बात बन चुकी है। प्रदूषण की शिकायतें लगातार होती हैं, लेकिन कार्रवाई प्रायः तब दिखाई देती है जब मामला मीडिया की सुर्खियां बनता है। सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि यदि जिला प्रशासन, प्रदूषण नियंत्रण मंडल और उद्योगों के रिकॉर्ड के अनुसार लगभग पूरी फ्लाई ऐश का वैज्ञानिक उपयोग हो चुका है तो फिर नालों, जलस्रोतों और गांवों में यह राख आखिर कहां से आ रही है। क्या उपयोगिता रिपोर्ट का कभी स्वतंत्र भौतिक सत्यापन कराया गया? क्या जिन खदानों में लाखों टन फ्लाई ऐश भरने का दावा किया गया, वहां जीपीएस, ड्रोन या थर्ड पार्टी ऑडिट से जांच हुई? क्या परिवहन करने वाले वाहनों की निगरानी हुई? यदि नहीं, तो करोड़ों टन फ्लाई ऐश के निपटान का दावा केवल कागजी आंकड़ा बनकर रह जाता है। अब यह मामला केवल पर्यावरण प्रदूषण का नहीं बल्कि लाखों लोगों के स्वास्थ्य, किसानों की आजीविका और आने वाली पीढ़ियों के भविष्य का प्रश्न बन चुका है। बरदे नाले से केलो नदी तक बहती फ्लाई ऐश यदि नहीं रोकी गई तो आने वाले वर्षों में इसका असर पूरे क्षेत्र के जल स्रोतों पर दिखाई दे सकता है। वीडियो सामने आने और शिकायतें दर्ज होने के बाद अब निगाहें जिला प्रशासन, पर्यावरण संरक्षण मंडल और राज्य सरकार पर टिकी हैं कि इस बार दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई होगी या फिर एक बार फिर राख पर मिट्टी डालकर मामला दफना दिया जाएगा। कागजों में पर्यावरण बचा जमीन पर राख का साम्राज्य अप्रैल 2024 से मार्च 2025 की सरकारी रिपोर्ट में लगभग 1.97 करोड़ मीट्रिक टन फ्लाई ऐश के उपयोग का दावा किया गया है। अधिकांश उद्योगों ने 100 प्रतिशत तक निपटान दर्शाया है। इसके बावजूद बरपाली नाले, ग्रामीण क्षेत्रों और जलस्रोतों में फ्लाई ऐश मिलने के आरोप यह संकेत दे रहे हैं कि कागजी दावे और जमीनी स्थिति के बीच बड़ा अंतर हो सकता है। यही अंतर अब निष्पक्ष जांच की मांग कर रहा है।

बरपाली से केलो तक बहता जहर- स्थानीय लोगों का आरोप है कि बरपाली नाले में फ्लाई ऐश डंप किए जाने से बरसात के दौरान राख पानी के साथ बहकर केलो नदी की ओर जा रही है। यदि इसकी पुष्टि होती है तो यह केवल प्रदूषण नहीं बल्कि प्राकृतिक जलस्रोतों को दीर्घकालिक नुकसान पहुंचाने वाला गंभीर मामला होगा, जिसकी जवाबदेही तय होना आवश्यक है।

क्या पर्यावरण विभाग और जिला प्रशासन इन

पारंपरिक वैद्य सम्मेलन में औषधीय ज्ञान के संरक्षण और संवर्धन पर जोर

कांकेर में आयोजित जिला स्तरीय सम्मेलन में सातों विकासखंडों के वैद्यों ने साझा किए अनुभव, हर्बल गार्डन और वैद्य पंजीयन बढ़ाने की अपील

कांकेर/मूक पत्रिका

विक्रम ठाकुर/:- कांकेर 06 जुलाई वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग तथा छत्तीसगढ़ आदिवासी स्थानीय स्वास्थ्य परंपरा एवं औषधीय पादप बोर्ड के संयुक्त तत्वावधान में सोमवार को सिंगारभाट स्थित वन काष्ठागार डिपो के नीलम कक्ष में जिला स्तरीय पारंपरिक वैद्य सम्मेलन आयोजित किया गया। सम्मेलन में जिले के तीनों वनमंडलों के अंतर्गत आने वाले सातों विकासखंडों से बड़ी संख्या में पारंपरिक वैद्यों ने भाग लेकर औषधीय जड़ी-बूटियों के उपयोग, उपचार पद्धतियों तथा पारंपरिक ज्ञान का आदान-प्रदान किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं औषधीय पादप बोर्ड के अध्यक्ष विकास मरकाम ने कहा कि पारंपरिक वैद्य समाज की निस्वार्थ सेवा के साथ-साथ औषधीय पौधों के संरक्षण और संवर्धन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने अधिक से अधिक वैद्यों से पंजीयन कराने, औषधीय पौधों की खेती के माध्यम से आय बढ़ाने तथा शासन की योजनाओं का लाभ लेने का आग्रह किया। साथ ही स्कूलों में हर्बल गार्डन विकसित करने और दुर्लभ औषधीय पौधों के संरक्षण पर विशेष बल दिया। औषधीय पादप बोर्ड के उपाध्यक्ष अंजय शुक्ला ने कहा कि औषधीय जड़ी-बूटियों का वैज्ञानिक तरीके से संरक्षण एवं सुरक्षित भंडारण समय की आवश्यकता है। वहीं बोर्ड के मुख्य कार्यपालन अधिकारी जे.पी.सी.एस. राव ने बताया कि जड़ी-बूटियों की पिसाई, चूर्ण एवं तरल औषधि निर्माण के लिए मशीनों की व्यवस्था की जाएगी, जिससे इच्छुक वैद्य अपने क्षेत्रों में इसका लाभ उठा सकेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि हर्बल गार्डन एवं दुर्लभ औषधीय पौधों के संरक्षण के लिए शासन द्वारा प्रोत्साहन और आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। सम्मेलन के दौरान विभिन्न क्षेत्रों से आए वैद्यों ने पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों, जड़ी-बूटियों की पहचान, संग्रहण, संरक्षण एवं उपचार संबंधी अपने अनुभव साझा किए। कार्यक्रम में वनमंडलाधिकारी रौनक गोयल, वैद्य संघ के अध्यक्ष वीर सिंह पद्दा, वन विभाग के अधिकारी-कर्मचारी तथा जिले के बड़ी संख्या में पारंपरिक वैद्य उपस्थित रहे।

जन शिकायतों का समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निराकरण करें : कलेक्टर क्षीरसागर

समय-सीमा बैठक में लंबित मामलों की समीक्षा, नीलाम वाहनों को तत्काल हटाने के निर्देश

कांकेर/मूक पत्रिका

विक्रम ठाकुर/:- कांकेर कलेक्टर निलेश कुमार महादेव क्षीरसागर ने सोमवार को आयोजित समय-सीमा (टीएल) बैठक में जिले में प्राप्त जन शिकायतों के समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण के निर्देश अधिकारियों को दिए। उन्होंने सीएम हेल्पलाइन, मुख्यमंत्री जनदर्शन, कलेक्टर जनदर्शन, पीजी पोर्टल, सुशासन तिहार एवं बस्तर मुड़ेर शिविरों से प्राप्त आवेदनों की विभागवार समीक्षा करते हुए लंबित प्रकरणों का शीघ्र निराकरण सुनिश्चित करने को कहा। बैठक में कलेक्टर ने कार्यालय परिसरों में नीलामी हो चुके कबाड़ वाहनों के अब तक नहीं हटाए जाने पर नाराजगी जताई और संबंधित आरटीओ को ऐसे वाहनों को तत्काल हटाने के निर्देश दिए। उन्होंने दूरस्थ क्षेत्रों में दूरसंचार टावर, अटल डिजिटल सुविधा केंद्र, किसानों के एग्रीस्टेक पंजीयन, नामांकन, बंटवारा प्रकरण सहित विभिन्न विकास कार्यों की प्रगति की भी समीक्षा की तथा सभी लंबित मामलों का निर्धारित समय-सीमा में निराकरण करने के निर्देश दिए।

बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी हरेश मंडावी, अपर कलेक्टर कांकेर जितेंद्र कुर्रे, अपर कलेक्टर अंतागढ़ ए.एस. पैकरा, सभी एसडीएम, जिला स्तरीय अधिकारी, जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी तथा नगरीय निकायों के अधिकारी उपस्थित रहे।

आंगनबाड़ी सहायिका पद पर भर्ती हेतु 20 जुलाई तक ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित

जगदलपुर/मूक पत्रिका

एकीकृत बाल विकास परियोजना जगदलपुर शहरी के अन्तर्गत ठाकुर अनुकूलदेव वार्ड केंद्र क्रमांक 01 में आंगनबाड़ी सहायिका के रिक्त पद पर भर्ती के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। इच्छुक और योग्य महिला उम्मीदवार सोमवार 20 जुलाई को रात्रि 12बजे तक आधिकारिक वेब पोर्टल https://www.aww.e-bharti.in पर जाकर ऑनलाइन माध्यम से अपना आवेदन जमा कर सकते हैं। किसी भी स्थिति में सीधे कार्यालय में या पंजीकृत डाक द्वारा भेजे गए आवेदनों को स्वीकार नहीं किया जाएगा। इस पद के लिए पात्रता की बात करें तो आवेदिका की आयु सूचना पत्र जारी होने की तिथि यानी 06 जुलाई 2026 को 18 से 44 वर्ष के मध्य होनी चाहिए, हालांकि पूर्व अनुभव रखने वाली कार्यकर्ताओं या सहायिकाओं को आयु सीमा में तीन वर्ष की छूट दी जाएगी। इसके साथ ही, आवेदिका का उसी वार्ड का स्थायी निवासी होना अनिवार्य है जहाँ आंगनबाड़ी केंद्र स्थित है, जिसके प्रमाण के लिए मतदाता सूची में नाम अथवा वार्ड पार्षद या पटवारी द्वारा जारी स्पष्ट पते वाला निवास प्रमाण पत्र मान्य होगा। शैक्षणिक योग्यता के अंतर्गत आवेदिका का न्यूनतम 8 वीं बोर्ड उत्तीर्ण होना आवश्यक है, परंतु शहरी परियोजना में 8 वीं उत्तीर्ण उम्मीदवार न मिलने की स्थिति में नियमों को शिथिल करते हुए 5 वीं उत्तीर्ण और उसके बाद भी आवेदिका न मिलने पर साक्षर महिला के आवेदन पर विचार किया जा सकेगा। इसके अतिरिक्त गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले परिवारों, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति की महिलाओं तथा विधवा, परित्यक्ता या तलाकशुदा महिलाओं को चयन प्रक्रिया में नियमों के तहत अतिरिक्त अंक प्रदान किए जाएंगे। यह पद पूर्णतः मानसेवी और अशासकीय है, जिसके लिए शासन द्वारा निर्धारित मानदेय दिया जाएगा। ऐसे उम्मीदवार जिनकी 8 वीं की अंकसूची में केवल ग्रेडिंग प्रणाली है, उन्हें मूल अंकसूची में विद्यालय के प्राचार्य से प्राप्तांक और पूर्णांक प्रमाणित करवाकर ही प्रस्तुत करना होगा।

मधोता समरस्ता भवन में संपन्न हुआ द आर्ट ऑफलिविंग का महासत्संग

गुरु पूजा, भजन और ध्यान से गूंजा पूरा परिसर

बस्तर/मूक पत्रिका

बस्तर विकासखंड के मधोता स्थित समरस्ता भवन में रविवार संध्या को द आर्ट ऑफ लिविंग संस्था द्वारा आयोजित हैप्पीनेस प्रोग्राम का भव्य समापन हुआ। कार्यक्रम के अंतिम दिन ÷गुरु पूजा एवं महा सत्संग÷ में सैकड़ों साधकों और श्रद्धालुओं की उपस्थिति से पूरा भवन भक्तिमय ऊर्जा से भर गया।कार्यक्रम की शुरुआत विधि-विधान से गुरु पूजा के साथ हुई। इसके बाद सामूहिक भजन-कीर्तन और ध्यान सत्र आयोजित किए गए। साधकों ने बताया कि इस सत्संग से उन्हें आंतरिक शांति और मानसिक तनाव से राहत मिली। उपस्थित लोगों ने शांति, प्रेम और सकारात्मक जीवन जीने का संकल्प लिया। इस अवसर पर प्रशिक्षक संजय मिश्रा जी, ब्रह्मचारी स्वामी सच्चिदानंद जी, टिकेंद्र पांडेय जी, निरु मिश्रा जी, शिवराम मौर्य जी, रामचंद्र कोर्राम जी सहित जोगेश्वर वालेंटियर, रुपनारायण यादव, गुड्डू नाग, एकादशी प्रेमसागर, हेमकुमार, बलिराम मौर्य, चंद्रकुमार, उदय मांझी, शांति नाग, संध्या ठाकुर, प्रेमलता एवं मधोता ग्राम के अनेक भक्तजन उपस्थित रहे।

जनदर्शन में दिव्यांग परशुराम को मिली मोटराइज्ड ट्राई साइकल, कलेक्टर के त्वरित निर्देश से बदली जिंदगी

सूरजपुर/मूक पत्रिका

जिला प्रशासन के जनदर्शन कार्यक्रम ने एक बार फिर आम नागरिकों की समस्याओं के त्वरित समाधान की मिसाल पेश की। सोमवार को आयोजित जनदर्शन में विभिन्न विभागों से संबंधित कुल 85 आवेदन प्राप्त हुए, जिनके शीघ्र निराकरण के लिए कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। इसी दौरान विकासखंड प्रतापपुर के ग्राम बगड़ा कोटेया निवासी 80 प्रतिशत दिव्यांग परशुराम तिवारी की वर्षों पुरानी समस्या का भी समाधान हुआ। चलने-फिरने में असमर्थ परशुराम जनदर्शन में मोटराइज्ड ट्राई साइकल की मांग लेकर पहुंचे थे। उनकी स्थिति को देखते हुए कलेक्टर ने समाज कल्याण विभाग को तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए। कलेक्टर के निर्देश पर समाज कल्याण विभाग ने बिना विलंब किए परशुराम तिवारी को निःशुल्क मोटराइज्ड ट्राई साइकल उपलब्ध कराई। ट्राई साइकल मिलने के बाद परशुराम के चेहरे पर खुशी साफ दिखाई दी। उन्होंने जिला प्रशासन और समाज कल्याण विभाग का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि अब उन्हें आवागमन करने और दैनिक कार्यों को पूरा करने में काफी सुविधा मिलेगी। तथा वे अधिक आत्मनिर्भर जीवन जी सकेंगे। समाज कल्याण विभाग के उप संचालक आलोक भवाल ने बताया कि शासन की मंशा है कि प्रत्येक पात्र दिव्यांगजन तक योजनाओं का लाभ समय पर पहुंचे।

मसगा में बड़ा हादसा टलाः स्कूली बच्चों से भरी बस खेत में पलटी, सभी बच्चे सुरक्षित

सूरजपुर/मूक पत्रिका

प्रतापपुर थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत मसगा में सोमवार को एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। एचीवर्स इंटरनेशनल स्कूल की बच्चों से भरी बस बरसात के कारण फिसलकर सड़क किनारे खेत में पलट गई। घटना के समय बस में करीब 20 से 25 स्कूली बच्चे सवार थे। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई, हालांकि ग्रामीणों की तत्परता और प्रशासन की त्वरित कार्रवाई से सभी बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, बरसात के चलते सड़क फिसलन भरी थी। बस चालक ने मोड़ पर ब्रेक लगाया, जिसके बाद बस अनियंत्रित होकर संकरे रास्ते से फिसलते हुए खेत में पलट गई। दुर्घटना के बाद आसपास के ग्रामीण तत्काल मौके पर पहुंचे और बच्चों को बस से सुरक्षित बाहर निकाला।सूचना मिलते ही डायल 112 की टीम और प्रतापपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की एंबुलेंस मौके पर पहुंची। सभी बच्चों को प्राथमिक उपचार के लिए प्रतापपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। चिकित्सकों के अनुसार अधिकांश बच्चों को मामूली चोटें और खरोंच आई थीं। उपचार के बाद सभी बच्चों की स्थिति सामान्य पाई गई और उन्हें परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया।घटना के बाद अस्पताल में बच्चों के परिजनों की भीड़ लग गई। बच्चों के सुरक्षित होने की जानकारी मिलने पर परिजनों ने राहत की सांस ली। इधर, प्रतापपुर पुलिस ने भी मौके पर पहुंचकर घटना का जायजा लिया और जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है, ताकि भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार सभी बच्चे सुरक्षित हैं और किसी के गंभीर रूप से घायल होने की सूचना नहीं है।

चारामा में चोरी की वारदातों का बड़ा खुलासाः शातिर निगरानी बदमाश 'टोटो' समेत 5 गिरफ्तार, 250 सीसीटीवी कैमरों और 2000 मोबाइल नंबरों की मदद से पुलिस को मिली कामयाबी

कांकेर/मूक पत्रिका

विक्रम ठाकुर/:-उत्तर बस्तर कांकेर जिला पुलिस अधीक्षक निखिल राखेचा के निर्देशन में चारामा पुलिस और जिला साइबर सेल की संयुक्त टीम को चोरी के मामलों में एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने मुस्तैदी दिखाते हुए चारामा क्षेत्र में हुई चोरी की 03 वारदातों का पर्दाफाश किया है। इस मामले में पुलिस ने 04 शातिर आरोपियों के साथ-साथ 01 विधि से संघर्षरत बालक को भी हिरासत में लिया है। पकड़े गए आरोपियों में चारामा थाने का शातिर निगरानी बदमाश सूरज देवांगन उर्फ टोटो भी शामिल है, जिसके खिलाफ पहले से ही चोरी और कई गंभीर अपराध दर्ज हैं। इस गिरोह का मुख्य काम नगर चारामा के सूने मकानों और दुकानों का ताला तोड़कर चोरी की घटनाओं को अंजाम देना था। बीते 30 जून 2026 की रात को भी अज्ञात चोरों ने कुछ घरों और दुकानों के ताले चटकाकर गैस सिलेंडर, कटर मशीन, ड्रिल मशीन, चांदी की मूर्तियां और नगदी समेत कई कीमती सामानों पर हाथ साफ कर दिया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक योगेश साहू, साइबर सेल प्रभारी दिनेश कुमार सिन्हा और अनुविभागीय अधिकारी पुलिस मोहसीन खान के पर्यवेक्षण में एक विशेष टीम का गठन किया गया।पुलिस की इस जांच का दायरा बेहद तकनीकी और विस्तृत था। मामले को सुलझाने के लिए पुलिस टीम ने इलाके के लगभग 250 सीसीटीवी फुटेज खंगाले और करीब 2000 से अधिक संदिग्ध मोबाइल नंबरों का तकनीकी विश्लेषण किया। मुखबिरों से मिली सटीक सूचना और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने सबसे पहले संदेही सूरज देवांगन उर्फ टोटो और संजू सोनकर को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की। कड़ाई से की गई पूछताछ में आरोपियों ने अपने अन्य साथियों-प्रमोद गंगाधर, प्रीतम सिंह और एक नाबालिग के साथ मिलकर चारामा में चोरी की वारदातें कबूल कर लीं। इतना ही नहीं, आरोपियों ने कोंडागांव जिले के फरसगांव क्षेत्र में भी चोरी की घटनाओं को अंजाम देने की बात स्वीकार की है।पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी का मशरूका और नगदी रकम बरामद कर ली है। बरामद किए गए सामानों में दो गैस सिलेंडर, एक ड्रिल मशीन, एक हेमर मशीन, दो लोहे की रॉड, कांसे के गिलास, चांदी की दो मूर्तियां, दो मोबाइल फोन, बिना नंबर की एक स्प्लेंडर प्लस मोटरसाइकिल और 11,200 रुपये नगद शामिल हैं। इस पूरे बरामद सामान की कुल कीमत करीब 84,000 रुपये आंकी गई है। आरोपियों ने बताया कि चोरी की रकम का उन्होंने आपस में बंटवारा कर लिया था और कुछ पैसे अपने शौक पूरे करने में खर्च कर दिए थे। पकड़े गए आरोपियों में 22 वर्षीय सूरज देवांगन (दर्गाहन), 29 वर्षीय संजू सोनकर (चारामा), 18 वर्षीय प्रमोद कुमार गंगाधर उर्फटकसु (मूल निवासी अंतागढ़, हाल मुकाम जगदलपुर) और 21 वर्षीय प्रीतम सिंह (मूल निवासी भिलाई चरोदा, हाल मुकाम जगदलपुर) शामिल हैं। पर्याप्त साक्ष्य मिलने के बाद पुलिस ने सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर दिया है। इस सराहनीय और त्वरित कार्रवाई में चारामा थाना प्रभारी सुरेश कुमार राठौर, साइबर प्रभारी यशवंत श्याम, उपनिरीक्षक रूपेन्द्र पटेल, हेमेंत कुमार, दुष्यंत दीवान, भकेश पटेल, सचिन सोरी, तरुण सिन्हा, फानू, रामरतन निषाद और जितेंद्र नाग की विशेष भूमिका रही।

दिशा समिति की बैठक में विकास कार्यों की समीक्षा, योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और गुणवत्ता पर दिया गया जोर

कोंडागांव/मूक पत्रिका

पवन कुमार नाग - जिला कोंडागांव विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक सोमवार को जिला कार्यालय के सभाकक्ष में बस्तर सांसद श्री महेश कश्यप, कांकेर सांसद श्री भोजराज नाग, बस्तर विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष एवं कोण्डागांव विधायक सुश्री लता उसेण्डी, केशकाल विधायक श्री नीलकंठ टेकाम की उपस्थिति में संपन्न हुआ। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती रीता शोरी, नगर पालिका अध्यक्ष श्री नरपति पटेल, कलेक्टर श्रीमती नुपूर राशि पन्ना तथा स्थानीय जनप्रतिनिधिगण उपस्थित रहे। बैठक में विभिन्न विभागों की योजनाओं एवं विकास कार्यों की समीक्षा करते हुए जनप्रतिनिधियों ने सभी पात्र हितग्राहियों तक शासन की योजनाओं का लाभ सुनिश्चित करने तथा निर्माण कार्यों में गुणवत्ता एवं पारदर्शिता बनाए रखने पर विशेष जोर दिया। किसानों को निर्धारित मूल्य पर खाद-बीज उपलब्ध कराने तथा अधिक मूल्य पर बिक्री करने वाले दुकानदारों के विरुद्ध कार्रवाई के निर्देश दिए गए। साथ ही प्राकृतिक आपदाओं एवं मौसमी बीमारियों से निपटने की तैयारियों की समीक्षा करते हुए विद्युत व्यवस्था को सुदृढ़ करने के कार्यों में तेजी लाने के निर्देश भी दिए गए।

कांकेर सांसद श्री भोजराज नाग ने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचे और कोई भी पात्र हितग्राही वंचित न रहे। उन्होंने कहा कि केन्द्र एवं राज्य शासन के प्रयासों से बस्तर क्षेत्र के विकास को नई गति मिली है। सभी अधिकारी योजनाओं का प्रभावी एवं जमीनी स्तर पर क्रियान्वयन सुनिश्चित करें। बस्तर सांसद श्री महेश कश्यप ने धरती आबा योजना के अंतर्गत चयनित गांवों के समग्र विकास के लिए तैयार कार्ययोजना की जानकारी ली तथा प्रधानमंत्री कौशल विकास कार्यक्रम की प्रगति की समीक्षा की। केशकाल विधायक श्री नीलकंठ टेकाम ने किसानों को निर्धारित दर पर खाद-बीज उपलब्ध कराने तथा विद्युत संबंधी समस्याओं के शीघ्र समाधान के निर्देश दिए। कोण्डागांव विधायक एवं बस्तर विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष सुश्री लता उसेण्डी ने सभी पात्र किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना का लाभ दिलाने के लिए आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने किशोरी बालिकाओं में एनीमिया की रोकथाम के लिए नियमित स्वास्थ्य जांच एवं निगरानी पर भी विशेष जोर दिया।

बैठक में वीबीजीरामजी योजना के अंतर्गत जल संरक्षण कार्यों को बढ़ावा देने, स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण के तहत बड़े ग्राम पंचायतों में विधानसभावार ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के प्रभावी संचालन तथा प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत स्वीकृत सड़कों का गुणवत्ता मानकों के अनुरूप एवं पारदर्शी ढंग से निर्माण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। जल जीवन मिशन के तहत 'हर घर जल' प्रमाणित गांवों में निर्बाध पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग को आवश्यक निर्देश दिए गए। शिक्षा विभाग की समीक्षा के दौरान नए शैक्षणिक सत्र की तैयारियों, गणवेश, पाठ्यपुस्तक एवं साइकिल वितरण की जानकारी ली गई। साथ ही यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए कि किसी भी जर्जर भवन में कक्षाओं का संचालन न हो। आश्रम एवं छात्रावासों में विद्यार्थियों के नियमित स्वास्थ्य परीक्षण के लिए स्वास्थ्यकर्मियों की व्यवस्था करने के भी निर्देश दिए गए। बैठक में दूरस्थ क्षेत्रों में सड़क एवं पुल-पुलिया निर्माण, इंटरनेट एवं बैंकिंग सुविधाओं के विस्तार, ऑयल पाम की खेती को बढ़ावा देने सहित विभिन्न विभागों की योजनाओं एवं विकास कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में नगर पंचायत फरसगांव के अध्यक्ष प्रशांत पात्र, जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती अनीता कोर्राम, जनपद पंचायत केशकाल अध्यक्ष श्रीमती नंदनी पोटाई, जनपद पंचायत फरसगांव अध्यक्ष श्री मानकू राम नेताम, जिला पंचायत सदस्य श्री नंदलाल राठौर सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

महिला मोर्चा का बूथ स्तर तक डिजिटल सशक्तिकरण अभियान प्रारंभ : रत्नावली कौशल

सारंगढ़-बिलाईगढ़ में भाजपा डिजिटल लर्निंग प्रोग्राम की कार्यशाला संपन्न,हर बूथ सखी बनेगी डिजिटल सखी

सारंगढ़ बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

भाजपा महिला मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष विभा अवस्थी के निर्देशानुसार जिला मुख्यालय स्थित भाजपा कार्यालय में डिजिटल लर्निंग प्रोग्राम' की जिला स्तरीय प्रशिक्षण कार्यशाला बड़े उत्साह के साथ संपन्न हुई।कार्यक्रम का उद्देश्य महिला कार्यकर्ताओं को आधुनिक तकनीक से जोड़कर पार्टी की विचारधारा, संगठनात्मक ढांचे और केंद्र-राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को डिजिटल माध्यम से जन-जन तक पहुंचाना है। कार्यक्रम में जिला प्रभारी गीतांजलि पटनायक एवं जिला सहप्रभारी रत्नावली कौशल की विशेष रूप से उपस्थिति रही। अपने संबोधन में जिला सह-प्रभारी एवं अनुसूचित जाति विकास प्राधिकरण छत्तीसगढ़ शासन पूर्व सदस्य रत्नावली कौशल ने कहा कि प्रदेशाध्यक्ष विभा अवस्थी का स्पष्ट निर्देश है कि इस अभियान को सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले के प्रत्येक मंडल,शक्ति केंद्र और बूथ स्तर तक पहुंचाया जाए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के 'डिजिटल इंडिया' के स्वप्न को साकार करने के लिए महिला मोर्चा की हर बहन को तकनीकी रूप से दक्ष होना आवश्यक है। जब हमारी बूथ सखी डिजिटल होगी,तभी सरकार की योजनाएं अंतिम व्यक्ति तक पारदर्शी रूप से पहुंचेंगी। कार्यक्रम में जिला भाजपा अध्यक्ष ज्योति पटेल ने भी कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि डिजिटल प्रशिक्षण आने वाले 2026 के नगरीय निकाय चुनाव एवं अन्य चुनावों में भाजपा की जीत की मजबूत नींव रखेगा।कार्यशाला में सभी पदाधिकारियों को भाजपा के आधिकारिक सरल ऐप के माध्यम से प्रशिक्षण दिया गया।प्रशिक्षण के दौरान वीडियो लेक्चर, ई-सामग्री और लाइव डेमो के माध्यम से जानकारी दी गई। पाठ्यक्रम पूर्ण करने के उपरांत ऑनलाइन परीक्षा आयोजित होगी, जिसमें सफल कार्यकर्ताओं को डिजिटल प्रशिक्षण प्रमाण पत्र प्रदान किया जाएगा।

कार्यक्रम के समापन पर सभी उपस्थित पदाधिकारियों ने सामूहिक संकल्प लिया कि वे अपने-अपने मंडल में जाकर हर बूथ सखी को डिजिटल सखी बनाने का अभियान तीव्र गति से चलाएंगी। संभाग, जिला एवं विधानसभा स्तर पर नियुक्त महिला प्रभारियों के माध्यम से यह प्रशिक्षण आगे बूथ स्तर तक पहुंचाया जाएगा। प्रमुख रूप से कार्यक्रम में जिलाध्यक्ष वैजयंती लहरे,जिला उपाध्यक्ष चंद्रिका सिंह ठाकुर, महामंत्री रागिनी केसरवानी, शिवानी साहू, गणेशी चौहान,ज्योति श्रीवास, विमला कुर्रे,सरिता बंजारे, सुकृता कोसले,रामशिला साहू, पुष्पा साहू,नंदिनी साहू,सविता गढ़तिया, हेमंती भारती,सरिता जांगड़े सहित जिले के सभी मंडलों की महिला मोर्चा पदाधिकारी उपस्थित थी।

जिला कांग्रेस की मासिक बैठक में सरकार पर निशाना, किसानों और जनहित के मुद्दों पर आंदोलन का ऐलान

बेमेतरा/मूक पत्रिका

जिला कांग्रेस कमेटी बेमेतरा की मासिक जिला कार्यकारिणी की बैठक जिला अध्यक्ष आशीष छाबड़ा की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने, जनहित के मुद्दों पर संघर्ष तेज करने तथा किसानों की समस्याओं को लेकर चरणबद्ध आंदोलन चलाने का निर्णय लिया गया। बैठक की शुरुआत में प्रदेश स्तरीय 10 दिवसीय प्रशिक्षण शिविर से लौटे जिला अध्यक्ष का ब्लॉक अध्यक्षों एवं जिला कार्यकारिणी के सदस्यों ने साल और श्रीफल भेंटकर सम्मान किया। इस अवसर पर पूर्व कृषि मंत्री रविंद्र चौबे एवं नवागढ़ के पूर्व विधायक गुरुदयाल बंजारे ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए संगठन की मजबूती और जनहित के मुद्दों पर संघर्ष तेज करने का आह्वान किया। बैठक में प्रशिक्षण शिविर से मिले दिशा-निर्देशों को साझा करते हुए संगठन को गांव-गांव और बूथ स्तर तक सक्रिय करने, सदस्यता अभियान को गति देने तथा किसानों, मजदूरों, युवाओं और आम जनता के मुद्दों को प्रमुखता से उठाने पर जोर दिया गया। इस दौरान ग्राम नकटी में 85 मकानों को तोड़े जाने की घटना की कड़ी निंदा करते हुए राज्य सरकार के खिलाफ निंदा प्रस्ताव पारित किया गया। प्रभावित परिवारों को न्याय दिलाने के लिए कांग्रेस द्वारा लगातार संघर्ष जारी रखने का संकल्प लिया गया। बैठक में खरीफ सीजन के दौरान जिले में खाद-बीज की कमी, अघोषित बिजली कटौती और बढ़े हुए बिजली बिलों को लेकर सरकार की आलोचना की गई। इन मुद्दों पर किसानों और आम जनता के हित में आंदोलन की रूपरेखा तैयार करने पर सहमति बनी। जिला अध्यक्ष आशीष छाबड़ा ने ब्लॉक, मंडल एवं बूथ कांग्रेस कमेटियों की गतिविधियों की समीक्षा करते हुए नियमित बैठकें आयोजित करने, संगठन विस्तार और आगामी कार्यक्रमों को पूरी सक्रियता से सफल बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का प्रत्येक कार्यकर्ता जनता के बीच रहकर उनकी समस्याओं के समाधान के लिए संघर्ष करेगा। बैठक का संचालन मनोज शर्मा ने किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

दंतेवाड़ा में लॉ कॉलेज की मांग, विधायक को सौंपा ज्ञापन

दंतेवाड़ा/मूक पत्रिका

जिले में विधि महाविद्यालय (एलएलबी) शुरू कराने की मांग एक बार फिर उठी है। भाजपा सोशल मीडिया प्रभारी राजेंद्र सिंह ठाकुर ने सोमवार को विधायक चैतराम अटामी को ज्ञापन सौंपकर कहा कि दंतेवाड़ा में लॉ कॉलेज नहीं होने से दक्षिण बस्तर के विद्यार्थियों को कानून की पढ़ाई के लिए दूसरे शहरों का रुख करना पड़ रहा है। ज्ञापन में बताया गया है कि दंतेवाड़ा शिक्षा का प्रमुख केंद्र है। यहां बीजापुर और सुकमा जिले से भी बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उच्च शिक्षा के लिए आते हैं, लेकिन विधि शिक्षा की सुविधा उपलब्ध नहीं है। इससे विशेषकर आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के विद्यार्थियों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया है कि पूर्व में दंतेवाड़ा में विधि महाविद्यालय शुरू करने की दिशा में शिक्षकों की नियुक्ति और प्रवेश प्रक्रिया जैसी तैयारियां हुई थीं, लेकिन आवश्यक मान्यताओं के अभाव में यह पहल आगे नहीं बढ़ सकी। इसके बाद से भी इस दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। राजेंद्र सिंह ठाकुर ने कहा कि यदि बार काउंसिल ऑफ इंडिया के निर्धारित मानकों के अनुरूप आवश्यक अधोसंरचना विकसित की जाए तो जिले में विधि महाविद्यालय का संचालन शुरू किया जा सकता है। इससे दंतेवाड़ा के साथ बीजापुर और सुकमा के विद्यार्थियों को भी स्थानीय स्तर पर कानून की पढ़ाई का अवसर मिलेगा।

उन्होंने विधायक चैतराम अटामी से इस मांग को राज्य शासन के समक्ष प्रमुखता से उठाकर आवश्यक कार्रवाई कराने का आग्रह किया है। उनका कहना है कि लॉ कॉलेज शुरू होने से दक्षिण बस्तर में उच्च शिक्षा को नई दिशा मिलेगी और विद्यार्थियों को बाहर जाने की मजबूरी कम होगी।

उर्वरक वितरण में अनियमितता पर बड़ी कार्रवाईः महालक्ष्मी कृषि केन्द्र का लाइसेंस 15 दिनों के लिए निलंबित

बेमेतरा/मूक पत्रिका

खरीफसीजन के दौरान किसानों को निर्धारित मूल्य पर गुणवत्तायुक्त उर्वरकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा उर्वरकों की कालाबाजारी, तस्करी, डायवर्सन, जमाखोरी, अधिक मूल्य पर बिक्री, अमानक एवं नकली उर्वरकों के विक्रय पर प्रभावी रोक लगाने के उद्देश्य से संचालनालय कृषि, छत्तीसगढ़, रायपुर के निर्देशानुसार जिले में सतत निरीक्षण एवं सघन जांच अभियान संचालित किया जा रहा है। इसी क्रम में उर्वरक निरीक्षक नवागढ़ द्वारा 30 जून 2026 को विकासखंड नवागढ़ के ग्राम रनबोड़ स्थित मेसर्स महालक्ष्मी कृषि केन्द्र का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उर्वरक (नियंत्रण) आदेश, 1985 (स्नष्टह्न-1985) के विभिन्न प्रावधानों का उल्लंघन पाया गया। निरीक्षण में कैश मेमो में कृषकों के हस्ताक्षर नहीं होना, भंडारण एवं विक्रय पंजी का अपूर्ण संधारण, निर्धारित प्रारूप में मासिक जानकारी प्रस्तुत नहीं करना, भौतिक स्टॉक स्थल पर उर्वरकों के स्टॉक एवं विक्रय दर का प्रदर्शन नहीं करना तथा बड़ी संख्या में अन्य जिलों के कृषकों को उर्वरक विक्रय किए जाने जैसी गंभीर अनियमितताएं सामने आईं। इसके अतिरिक्त पीओएस (क्क्रस्) स्टॉक एवं भौतिक स्टॉक में भी अंतर पाया गया। उक्त अनियमितताओं के संबंध में संबंधित प्रतिष्ठान को कारण बताओ नोटिस जारी कर तीन दिवस के भीतर स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए थे। प्राप्त स्पष्टीकरण का परीक्षण करने पर वह संतोषजनक नहीं पाया गया। इसके आधार पर उर्वरक निरीक्षक श्री राकेश कुमार चतुर्वेदी, सह प्रभारी वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी, नवागढ़ द्वारा संबंधित उर्वरक प्राधिकार पत्र के निलंबन की अनुशंसा की गई। अनुशंसा के परीक्षण उपरांत प्राधिकृत अधिकारी सह उप संचालक कृषि, जिला बेमेतरा श्री मोरध्वज डड़सेना ने उर्वरक (नियंत्रण) आदेश, 1985 के खंड 31 (ड्ड) में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मेसर्स महालक्ष्मी कृषि केन्द्र, ग्राम रनबोड़, विकासखंड नवागढ़ का उर्वरक प्राधिकार पत्र क्रमांक स्न2911/2017 को 15 दिवस के लिए तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। निलंबन अवधि के दौरान संबंधित प्रतिष्ठान द्वारा उर्वरकों के भंडारण, विक्रय अथवा उर्वरक व्यवसाय से संबंधित किसी भी प्रकार की गतिविधि संचालित नहीं की जा सकेगी। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि किसानों के हितों की सुरक्षा, उर्वरकों की सुचारु उपलब्धता एवं वितरण व्यवस्था में पारदर्शिता बनाए रखने के लिए जिले में उर्वरक विक्रेताओं के प्रतिष्ठानों का निरीक्षण एवं जांच अभियान लगातार जारी रहेगा। उर्वरक वितरण में अनियमितता अथवा नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर संबंधित संस्थानों के विरुद्ध नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

हर ब्लॉक में खुलेंगे पशु औषधि विक्रय केंद्र, पशुपालकों को मिलेगी सस्ती दवाइयां

बीजापुर/मूक पत्रिका

जिले के सभी विकासखंडों में जल्द ही पशु औषधि विक्रय केंद्र स्थापित किए जाएंगे। छत्तीसगढ़ शासन के पशुधन विकास विभाग के निर्देश पर इन केंद्रों का संचालन प्रधानमंत्री कृषि सेवा केंद्रों और सहकारी समितियों के माध्यम से किया जाएगा। इसका उद्देश्य पशुपालकों को उचित मूल्य पर गुणवत्तापूर्ण पशु दवाइयां उपलब्ध कराना है। उपसंचालक पशु चिकित्सा सेवाएं से मिली जानकारी के अनुसार जिले के चारों विकासखंडों में पशु औषधि विक्रय केंद्र खोलने की योजना बनाई गई है। केंद्रों के संचालन के लिए न्यूनतम 120 वर्गफुट स्वयं की या किराये की जगह, बी.फार्मा या डी.फार्मा डिग्रीधारी व्यक्ति तथा ड्रग्स सेल लाइसेंस होना अनिवार्य होगा। इच्छुक प्रधानमंत्री कृषि सेवा केंद्र और सहकारी समितियां अधिक जानकारी के लिए अपने निकटतम पशु चिकित्सालय से संपर्क कर सकती हैं। आवेदन ऑनलाइन पोर्टल www.dahd.gov.iठ्ठ पर किए जा सकते हैं। जिले में इन केंद्रों की स्थापना से पशुपालकों को स्थानीय स्तर पर कम कीमत में पशु औषधियां उपलब्ध होंगी। इससे पशुओं के समय पर उपचार में सुविधा मिलेगी, पशु स्वास्थ्य सेवाएं मजबूत होंगी और जिले में पशुपालन को भी बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

पशुओं के बीमार होने पर डायल करें हेल्पलाइन 1962, पशु मोबाइल मेडिकल एम्बुलेंस घर पहुंच सेवा प्रदान करेगा

सक्ती/मूक पत्रिका

पशुपालन और डेयरी विभाग, भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित और छत्तीसगढ़ सरकार के पशुधन विकास विभाग द्वारा राज्य के सभी जिलों में मोबाइल पशु चिकित्सा इकाई संचालित है, जिसके लिए हेल्पलाइन 1962 डायल करके पशु चिकित्सा के लिए अपना जानकारी दे सकते हैं। इसके बाद पशुधन मालिक के दरवाजे पर 1962 वाहन डॉक्टर सहित समय पर उपचार प्रदान करेगा।

1962 डायल के बाद जांच प्रक्रियाः जब दिन के किसी भी समय 1962 आपातकालीन सेवा केंद्र पर पशुधन मालिक से इमरजेंसी कॉल प्राप्त होता है, तो पूछकर बेसिक जानकारी प्राप्त किया जाता है और कॉल करने वाले को उनके निकटतम सरकारी मोबाइल पशु चिकित्सा क्लिनिक/एम्बुलेंस, अस्पताल तक जानकारी प्रसारित की जाती है। कॉल सेंटर में पशु चिकित्सक आपातकाल के प्रकार का पता लगाता है और या तो ऑनलाइन मेडिकल डायरेक्शन (ओएलएमडी) प्रदान करता है या एम्बुलेंस भेजता है। पशु चिकित्सक के साथ एम्बुलेंस पशुपालक के दरवाजे तक पहुंचती है, बीमार मवेशियों की स्थिति का आकलन करती है और मौके पर ही उपचार प्रदान करती है। इस 1962 सुविधा के लिए राज्य शासन से कई कंपनी ने आपात सेवा देने के लिए अनुबंध किया है, जिसके तहत वे निरंतर काम कर रहे हैं।

ग्राम पंचायत कोटेतरा में सरपंच श्रीमती सुनीता रमेश साहू के नेतृत्व में वृहद वृक्षारोपण संपन्न

जैजैपुर/ सक्ती /मूक पत्रिका

जिले की जनपद पंचायत जैजैपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत कोटेतरा में पर्यावरण संरक्षण और हरियाली को बढ़ावा देने के लिए एक विशेष वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता सरपंच श्रीमती सुनीता रमेश साहू ने की।इस अवसर पर मुक्तिधाम परिसर सड़क के किनारे आम, नीम, बादाम, अशोक,जामुन और कटहल के अलावा छायादार और फलदार पौधे लगाए गए।

सरपंच ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि ÷पेड़ हमारे जीवन का आधार हैं और हमें न केवल पौधे लगाने चाहिए, बल्कि उनकी पूरी सुरक्षा भी करनी चाहिए।÷कार्यक्रम में श्रीमती संगीता कुशल साहू,श्रीमती वंदना सिदार,शंकरलाल साहू,पंच रोजगार सहायक कोमल सिंह कंवर और बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामीण सम्मेलाल साहू,जीतराम साहू,रमेश सिदार, कुमार सिंह मरावी,घसियाराम सिदार,हेमलाल सिदार,होरीलाल सिदार,बाबूलाल सिदार,टुकेश साहू, खिलावन साहू,लीलाधर ननकीदाऊ साहू,राधेश्याम साहू, प्रेमप्रकाश, नेपाल मरावी,कुशल साहू,मानसाय साहू आदि सैकड़ो ग्रामीण उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर पौधों की देखभाल करने और पर्यावरण को हरा-भरा रखने का संकल्प लिया।

गोंचा महापर्व की तैयारियों में जुटे युवा, जगन्नाथ मंदिर में बनी आयोजन की रूपरेखा

जगदलपुर /मूक पत्रिका

बस्तर के प्रसिद्ध गोंचा महापर्व को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। इसी क्रम में श्री जगन्नाथ मंदिर परिसर में 360 घर आरण्यक ब्राह्मण समाज के युवाओं की बैठक आयोजित की गई। बैठक में महापर्व के दौरान होने वाले धार्मिक अनुष्ठानों और व्यवस्थाओं को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में 15 जुलाई को होने वाले नेत्रोत्सव से लेकर 24 जुलाई के बहुड़ा गोंचा तक आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की रूपरेखा पर विचार किया गया। रथयात्रा, अमनिया भोग, छप्पन भोग, श्रद्धालुओं के लिए सेवा व्यवस्था, पूजा-अर्चना तथा अन्य व्यवस्थाओं को बेहतर ढंग से संचालित करने के लिए युवाओं ने कई सुझाव दिए। इन सुझावों को आयोजन की कार्ययोजना में शामिल करने पर सहमति बनी। बैठक में आशु आचार्य ने कहा कि गोंचा महापर्व बस्तर की धार्मिक और सांस्कृतिक परंपरा का प्रमुख उत्सव है। इसकी गरिमा बनाए रखने और आयोजन को सफल बनाने में युवाओं की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि युवाओं का उत्साह और सेवा भाव इस बार महापर्व को और अधिक व्यवस्थित एवं भव्य बनाने में अहम योगदान देगा। बैठक के दौरान समाज के युवाओं ने आयोजन की विभिन्न जिम्मेदारियां संभालने का संकल्प भी लिया। समाज की ओर से सभी सहभागी युवाओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए उनके सहयोग और समर्पण की सराहना की गई। बैठक में मुरली मनमोहन कवि, जशवंत जोशी, धर्मेंद्र पांडे, पुनीत पांडे, डी.के. पांडे, मोहन जोशी, कुलेश जोशी, प्रकाश पांडे, रोहित पांडे, कौशल पांडे, विपिन पानिग्रही, कर्तव्य आचार्य, शुभम आचार्य सहित 360 घर आरण्यक ब्राह्मण समाज के बड़ी संख्या में युवा उपस्थित रहे।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक आशिष कुमार कंठले द्वारा कलयुग का भारत द्वारा अग्रदूत कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, भाजपा कार्यालय के पास, रायपुर, जिला-रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित एवं वार्ड नंबर 18 बाजार पारा बेमेतरा पोस्ट व जिला बेमेतरा छ.ग. पिन कोड 491335 से प्रकाशित । संपादक आशिष कुमार कंठले समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार मो. नं. 7999238079, 7828658259, समस्त विवादों का निपटारा बेमेतरा न्यायालय होगा।